डफ कायेको ॥ १४ ॥ आच्छोजी बालम म्हाने दावन सिलाय दो। आच्छो जी बालम म्हाने दामन सिलायदो तो पीलो रंगादो पिया अबकी घड़ीरे पलकी घड़ी। डफ कायेको ॥ १५ ॥ धीमा धीमा बोल गोरी दावण सिलाय दूं। धीमा धीमा बोल गोरी दावण सिलाय दूं तो पीलो रंगादूं गोरी अबकी घड़ीरे पलकी घड़ी राखूं म्हारी प्यारी घणने जीवकी जड़ी। डफ कायेको बजाओ बालम रसिया ॥ १६ ॥ थारो डफ बाजे म्हारो सारो कमरो गाजे थारो डफ बाजे म्हारो सारो कमरो गाजे तो सूती नार चिमक जागे। डफ कायको बजावो बालम रसिया। डफ कायको ॥ १७ ॥

गीत टप्पो।

मेरे आंगण नीमड़ी रे तेरे आंगन नीम तने चाहे खेल तमासा मने आवे नींद रे। माणीगर ढोला तूं मेरोकया मानरे माणी-गर ढोला ॥ १ ॥ आमतले घण पोढ़ती रे तले बिछाती चीर राजन पंखा ढोलता रे स्योजया नाजकजी रे माणीगर ढोला ॥ २ ॥ नीम तले कर नीसरया जी लाम्बी भर गया बीख समझाया समझे नहींरे चले पराई सीखरे माणीगर ढोला तूं मेरो कयोमानरे मनीगर ढोला ॥ ३ ॥

मुद्रक—[illegible]लाल वर्मा
बी० एल० प्रेस,
[illegible]

नया

मारवाड़ी गीत ।

तीसरा भाग ।

इस पुस्तकमें बहुत अच्छे अच्छे गीत लिखे हुए हैं, एकबार जरूर देखिये ।

प्रकाशक—

निहालचन्द वर्म्मा ।

नं० १ नारायणप्रसाद लेन, कलकत्ता ।

प्रथम बार १०००] सं० १९७२ [दाम ।) आ०

Cover Printed at the Burman Press, Calcutta.

मारवाड़ी गीत।

तीसरा भाग।

दोहा।

विघन बिदारण गजबदन, रिद्ध सिद्ध पति राज। नमन करूं नित हिय धरूं, पूरो मनके काज ॥१॥ इन गीतोंको बांच कर, सबके मन आनन्द। होजो दिन दिन चोगणो, ओ बरदो शिवनन्द ॥२॥

बधावो नं. १

पहिल बधाव ए सईयो मोरी म्हे गया गया म्हारे बाबा जीरी पोल मोरी ए माय चढती बाईने ए सूण भला होया। बाबो जीं सन्तोष्या ए सईयों मोरी आपणा दीनी

म्हाने दोवड दात मोरी ए माय लाड जंवाईने सूण भला होया ॥ दुजे बधाव ए संईयो मोरी म्हे गया गया म्हारे ताउजीरी पोल मोरी ए माय चढ़ती बाईने ए सूण भला होया । ताउज सन्तोष्या ए संईयो मोरी आपणा दिनी म्हान अगड घडाय मोरी ए माय चढत जंवाईने सूण भला होया ॥ तिजे बधाव ए संईयो मोरी म्हे गया गया म्हारे भाईजीरी पोल मोरी ए माय चढती बाईने सूण भला होया। बीरोजी सन्तोष्या ए संइयो मोरी आपणा दिनी म्हाने चुनड उढाय मोरी ए माय चढत जवाईने सूण भला होया ॥ चोथे बधाव ए संईयो मोरी म्हे गया गया म्हारे सुसरा जीरी पोल मोरी ए माय लाड जंवा-ईने सुण भला होया । सुसरोजी सन्तोष्या ए संईयो मोरी आपणा ल्याया म्हाने दो दल जोड मोरी ए माय चढती बाईने ए

सूण भला होया ॥ पांचवे बधाव ए संईयो मोरी म्हे गया गया म्हारे मारू जीरीसेज मोरी मोरी ए माय लाड जवाईने सूण भला होया। मारूजी सन्तोष्या ए संइयो मोरी आपणा दिन्यो म्हाने सर्व सुहाग मोरी ए माय चढ़ती बाईने ए सूण भला होया।

देवर नं. २

आगरको घाघरो मंगादे लंजा देवरिया कोई कबजो सीमाव थारो भाइवर म्हान रामदुहाई देवरिया। मोईरे जपरियको लरियो मंगादे लंजा देवरिया कोई गोटो दिवाव थारो भाइरे॥म्हान०॥ थाली लेलो लोटो लेलो बाहर जीमो देवरिया कोई भीतर जीमगो थारो भाइरे॥म्हान०॥ खाट लेलो गुदड़ा लेलो बाहर पोढो देवरिया कोई भीतर सोवगो थारो भाइरे॥ म्हानराम दुहाई देवरिया तूं मोईरे॥

टप्पा नं. २

पायेलवाली पातली गोरी इनगलिया मत आव। तेरी पायेल बाजणी छैलारो बुरा सुबाव॥ आसां जासा बापके दिन मैं सौ सौ वार। छैलारो छाती कुटसी मेर दिलका येह सुभाव॥ पायेलवाली पातलीजी इतनी गरबन बोल तेरे म्हल चोरी करां तेरा पकडा पायलका पाव। दससोव हालीवालदी दससोव डेडीवान॥ रङ्गम्हलबिच पोडस्यां म्हारो कोसविद पकडो पांव। सोखा हाली बालदी उठ गया डेडीवान॥ तेरे म्हल चोरी करी तेरा पकड़ा पायेलरा पाव। नोरङ्गबोराणोया ढोलो बुज गोरडी तेरल्या लुम सलवर क्युं॥ काचुली कसढीलो पडी छतियां पर छाला क्युं। रातु तुझे पेट छैल होया म्हे लाट पछोट॥ हाराकाछा आपडा नाजोर

हाल बेहाल। पकड मगाउं बेटो मालीको थारो कोसविद गुंथो हार॥ हारा कारणा छाला पड्या गोरीरो हाल बेहाल। नौरङ्ग वीराणिया मैमाली बदस्याये कोछला हंड सकना कोये ये छाला कोई छलका म्हार हारनै दोसन दोये॥

बनेडा नं. ४

हाजी बना हस्थीथे ल्याज्यो कजली देशका। हांजी बना घुडलार धमक आव॥ मोतीलाल बना छजारी बैठक छोड़ द्यो। हांजी बना करूवा थे ल्याज्यो मारू देशका हांजी बना बायणर झलकथे आव मोती। हांजी बना सोनो थे ल्याज्यो लङ्का पारको हांजी बना मोत्यास हार पुवाय मोती-लाल बना छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजी बना दूद पियोना दारू छोड़ द्यो। हांजी बना छोडो कलालीको हेव मोतीलाल बना

छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजो बना रुयालु थे ल्याज्यो सांगा नेरका हांजो बना मिसरूक कोर लगाय मोतीलाल बना छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजी बना पडलो थे ल्याज्यो पूरब देशको हांजो बना पडलमें सब रङ्ग ल्याय मोतीलाल बना छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजी बना चुडलो थे ल्याज्यो हस्थो दान्तको हांजो बना चुडलक नकश लगाय मोतीलाल बना छजांरो बैठक छोड द्यो हांजो बना थारो फिरो कारो बैठबो हांजो बना म्हारो छ आवण जाण मोतीलाल बना छजांरो बेठक छोड़ द्यो। हांजो बना मेवस गोद भराय मोतीलाल बना छजांरो बेठक छोड द्यो। हांजी बना मेदो थे ल्याज्यो नार नोलको हांजो बना मेवस गोद भराय मोतीलाल बना छजांरो बेठक छोड द्यो। हांजी बना मोज करो तो

मुजरो करां हांजो बना मुजरारी म्होर पचास, मोतीलाल बना छजांरी बैठक छो-ड्यो। हांजी बना जानी थे ल्याज्यो अपनी जोडका, हांजोबना स जाकर जनेत सजाय। मोतीलाल बना छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजी बना पातर थे ल्याजो जैपुर सहर को हांजी बना म्हलांमें नाच कराय, मोतीलाल बना छजांरी बैठक छोड द्यो। हांजी बना बनडो थे ल्याजो बडपरवरकी हांजी बना बनडीको रूप निहार। मोती० हांजो बना दुलहणथे ल्याजो, ऊंची जात की, हांजो बना जोड सम्हल पद्यार मोती०। हांजी बना थारो तो भुवाकईए चोरटी, हांजो बना चोरयो हजाराको माल मोती-लाल बना छजांरो बैठक छोडद्यो।

चौथ नं. ५

थेतो चौथ मनाल्योजी कुणचन्द थो सतीथारो धनलीछमी भोपाल सकड़री रानी माता चोथ मनायेलो ॥ १ ॥ सोनेकी घडाउ मेरी माये रूपरी घडाउ मेरी माये तनये पुवाउ भवानी पीला पाटम ॥ २ ॥ म्हार सेठानती वाज मेरी माय सेठाणी अब चल राखी चुडलो ॥ ३ ॥

आभलदे नं. ६

बाबाजी हुक्म करायेवो बाबाजी हुक्म करोतो पोकर नायेसा पोकरनायेसा पोकर नायोनजाय बाइबो आभलदे बाडतल खीवरो बसै ॥ १ ॥ बस ये तो बसण जो वोवो बाबाजी काई करलो बैरी खीवरो॥२॥ दलजनलागीछ दालबाइबो आभलदे छट-जन लागा साठीया गीणगीण लागाछ दाम बाइबो आभलदेसीमजण लागी बोरीया३॥

बटजण लागीछ डोर बाइवो आभलदे गुन्थ जणलागा ताजण ॥ ४ ॥ हलहल हुइ हलकार बाइवो आभलदे चलचलसा जी डारीकोटडी ॥ ५ ॥ रलकीछ मांजलरात बाइवो आभलदे दीनतो उगायो खीवरकदे सम ॥६॥ बूज्योछ गायारो गवाल बाईवो आभलदे सींव बतावो खीवरकी कुणसी।७॥ योइछखीवै जीरो देस सालर थोडा सरवर भोघणा ॥८॥ बुज्योछ माली डारो पुत बाइवो आभलदे बाग बतावो खीवरको कुणसो ॥९॥ योइछ खीवजीरो बाग बाई आमतो पाकया नीम्बू रसभरा ॥ १० ॥ तम्बुडा दीयाछ तणाये बाई आभलदे तमुडारी डोरका ठीकरी ॥ ११ ॥ सोवन घडलोलेनी हाथबाई वों आभलदे आभ-लरी दासी पाणीड नीसरीजी ॥१२॥ सोघु-डणां असवार बाइवो आभलदे खीवरो रहणानी रहणा नीसरो ॥ १३ ॥ कुणजीरी

पणीयार ओथे पणीयारी कुणरा चीतरा बेहडा ॥ १४ ॥ आभलरो पणो यारजी खीवरानी आभलरा चीतरा बेहडा ॥ १५ ॥ भावीजी मथारो गुलाम भावीजी भैण मिलावो आभल आपको ॥ १६ ॥ आभल अखन कंवार वो खीवराजी मुखडो देख दुज मरद्को ॥१७॥ न्हे वीछा अखर कंवार ओथे भोजाई पलो येन छुवादुजी नारको १८ जैथाने आभलरो घावओ खीवराजी पहरो जनाना कापडा ॥ १९ ॥ माथान म्हमंद पहरओखीवराजीपीलेसोनारीराषडो॥२०॥ कानानै कंडल पहरओ षीवराजी ऊपर झवरष झुटणा ॥ २१ ॥ गलन सतलडी पहरओ षोवराजी हार हमेल जडावका।२२। बायांन बाजुबन्द पहरवो षीवराजी टडा-रतन जडावको ॥ २३ ॥ जेहाथा तरकस तीर वो षीवराजो जै हाथा पहरो चूडलो ॥२४॥ ज्याबायां भवर पढूकओं षीवराजी

ज्यांबाया पहरो कांछली ॥ २५ ॥ पगल्यान
पायेल पहरोजी नांनाती वाज बीछीया।२६।
घुमघुमालो दावण पहरओ खीवराजी उप-
रओडो वेरङ्ग चुन्दडो ॥२७॥ चालोना मद-
रोजी चालजो खीवराजी असल कूहोवो अस-
तरो।२८।जीजीबाई भाहर आवओ जीजो
बाई बाहर उभी छोटी भहनडी॥२९॥नाम्हार
माकी जाई भहनओ मतुवाली नाकोई
गोतसवासणी ॥ ३० ॥ माम भूवाकोजी
भहन बाईओ। आभलदे बालकपणका बी-
छडया ॥ ३१ ॥ भीलीयाछ भुजाये पसार
ओखीवराजो करडमरड फूटया खोपराजे ॥
॥ ३२ ॥ रम जगह मनमाये बाईवो आभ-
लदे लयाये मोलाये। बेरी खोत्ररा ॥ ३३ ॥
तम्बूहादोबाये उठाये बाईवो आभलदे
तम्बू डंको डोर ढोलो करो ॥३४ ॥ जीमया
[illegible] पार ओजी खीवराजी मास
[illegible] ॥ ३५ ॥ पोढाछ।

अेकजसेज ओजी खीवराजी बीच भग-
वती घरदइ ॥ ३६ ॥ म्हारच्छ पुसकरन्हाण
ओजी खीवराजी बावडाला मेलो करा ॥
॥३७॥ म्हारच्छ पुसकरन्हाण प्यारीवो आ-
भलदे जोडस पुसकरन्हायेसा ॥३८॥ साथी
भायो करोर बीचार क्वारीतो काढ चढजे
॥ ३९ ॥ चढच्छतो चडबाजो धोये हांथ
आभलदे वलतीम डुपडो म्हेवीर लस्यां॥४०॥
फीटखीवरा तेरी माय ओजी खीवराजी
रूप निरखनारीभयाजी।

देवर रंगत पनियारी नं. ७

पेचो तो सवा लाखा रोल्यादु रे कल-
गी पर भावी अरज करे सुणसुण वो नख-
राला मेरा देवरबोजीलसो दीखाये ल्यावो
दील्लीरो ॥ १ ॥ थानतती भावज म्हारी
जीलसो सुजैये म्हारो जीव घबरावे रवी
मनमें धीरज धारो म्हारी भावज ये जील

सो दीखाये ल्याऊं दोलीरो ॥ २ ॥ मोती
तो सवालाखांरा ल्या दूंजो जुलफो पर
भावी अरज करे सुन सुन वो नखरालीरा
देवरीया भावीन जीलसो दीखावोजी ॥३॥
थाने भावज म्हारी जीलसो चाये नाजक
जीव घबराये रयो सुणज्योजी छीनगारी
म्हारी भावजये जीलसो दीखाये ल्याउं
पटनको ॥ ४ ॥ कंठी तो सवालाखांरीसो
बजी गरदनपर भावी अरज करै सुण सुण
वो नखरालीरा देवरजी जीलसो दीखाये
ल्यावो कासीरो ॥ ५ ॥ थानतो भावज
म्हारी जीलसो सुजै नाजक जीव म्हारो
घबरावे दोलमे धीरज राखो म्हारी भावज
ये जीलसो दीखांये ल्यावा कासीको ॥६॥
मोचा तो सवा लाखांरा सीव चलगत पर
भावी अरज करे सुन सुन वो चीतालंकीरा
देवरीया जीलसो दीखावो कलकताको ॥७॥
थानतो भावज म्हारी जीलसोसुजै नाजक

जीव घबराये रयो सुण ज्योये नखराली म्हारी भावजड़ो जीलसो दीखांवा कल-कत्तरो ॥ ८ ॥

गीत टप्पा नं. ८

केलकीसो कामड़ी दरीयावमे खड़ीरे मार चोबी खल्यो कुछ हाथवी लगीरे हाथमें है झारीयां बजारीयां मेलीयां खड़ी रे घरे आवो बालमातन प्यास तो लगीरे। हाथमें अलेबीयां जलेबीयां लीया खड़ीरे घर आवो बालमा भुखतो लागीरे। लांडू करू कसारको करड़ोमे राखुं पातरे। दीन दीन तो दुखसे काड़दु बरन होगई रातरे। हलदीने छोड़ी जरदी जरदीने छोड़ा रङ्गरे। गोरी बीचयारी क्या करे बालमने छोड़ा सङ्गरे। हलदी झेलो जरदी जरदी झेलो रङ्गरे। बालमजी झेली गोरड़ीसे आमा माया जङ्गरे।

नणदोई नं. ९

कोठेडेसे आयो प्यारा नणदोई, कोठे डेरा ढ़ाल्या ओजी नणदोई ॥ फतेपुरसे आया ओये साला हेली रामगड डेरा-ढ़ाल्या प्यारी साला हेली ॥ ममद घडा घोओजी नणदोई रखडीरी साई बालमसे लगाई। धीमा धीमा बोलो ओजी नण-दोई बाईजी सुणछ देला म्हानगाली ॥ बाई जी सुणछ राजकरछ आपा रूतमाणा प्यारी साला हेली, कुण्डल घडा घोओजी नणदोई झूटणारी साई बालमसे लगाई ॥ टडा घडादयो ओजी नणदोई। बाजुबंदरी साई बालमसे लगाई दावण सिमादयो ओजी नणदोई कूनडीरी साई बालमसे लगाई ॥ ऐसी गरमीमें ऐसी सर्दीमें बुंगलो बधादयो, चोबारांरी साई बालमसे लगाई॥ पोळया आवे बाइजोरी वीरो झुल झुल

झांके प्यारी नणदोई ॥ २१ ॥

पडोसण नं. १०

मेरी भैण पाडोसण ए जीजी तेरी मैरी होय जागी राड। मेरो राजन तैं मोचोए जोजी मेरो कोन हवाल, लगा दोय नेन घिरे वालसे। ना मैं थारे घर गई ए गोरी ना मैं लियो ए बुलाय। बीजण गई बाजार में ए ढोलो आयो आयो रूप निहार। लग्या दोय नैन। मेरा बीर लुहार कार वीरा एक तालो घड़देय मेरो राजन हाढणोर वीरा ढकटूं ताला भाय लाग्या दोयनै। सईये सांजकोढक दियो ए जीजी आगे देय दो खाठ चील उगस कहनिसरोए ढोलोनिसरो आधीरात, लग्या दोय नैन। मेरा बीर लुहार कारबीरा एकपिंजरो घडदेयलोहको घडदे पिंजरोर छुरिया कीवाड लगाय लग्या दोय नेन। दस हाली दस बालदी

ए जोजी दस दादर दस मोर छुरियांरो बाढ लगाय स्युं ए दरवाजे घरदूं तोप, लग्या दोय नैन। सोगया हाली वालदीए जीजी उड गया दादर मोर सई ये सांजको निसरगोए जोजी धरी रहो सब तोप लग्या दोय नैन। घरको खांडज किरकरी ए ढोलेगुड़ चोरीको खाय, घरकी नारज छोड़कर ढोलो पर नारयां पा जाय लग्या दोय नैन चिरे वालेरे।

सनेई ढोला नं० ११

भाल पूवोर सुहावनोर लाल बसए महाजन लोग जीतर बसगो गोरीको साहे बो जी ढोला पान मिठाई की भोग, सनेही ढोला मारूजी घर आव मांजील रात, घर आवोना सरदको बहार नणद का बीरा मारूजी घर आव मांजील रात। बीलीयार झबुकीयोर लाल आव आव

एक, कदर मिलगो गोरीको साहेबोजी ढोला नण कांजली यारी रेख ? सनेही ढोला ॥ बिजली यार झुबुकी योर लाल आव आव दोय कदर मिलगोर गोरीको साहेबोजी ढोला, सन्मुख छाती होय ॥ सनेही ढोला ॥ बिजली यार झबुकी योर लाल आव आव तीन कदर मिलगो गोरीको साहेबोजी ढोला जोबन तेरा तीन ॥ सनेही ढोला ॥ ठाढी कहा थासने सडोर लाल कहियो ढोला जिन जाय, जोबन तो हस्थी चढोजी ढोला आंकस देवणं आवः । सनेही ढोला । ठाढी कहा थ सने सडोर लाल कहियो ढोला जिन जायः जोबन तो घुडला चढो जी ढोला चाबुक देवण आवः । सनेही ढोला । ठाढी कहाथ सने सडोर लालः कहियो ढोला जिन जायः जोबन पायो आमज्यु'जी ढोला तोड बताउ खायः ।

सनेही ढोला। ठाढ़ीक हाथ सने सडोर लाल कहियो ढोला जोन जाय जोबन सुक्यो कडब ज्युंजी ढोला ढांढा चार एन ढोर सनेही ढोला कागा कहाथ सने सडोर लाल चिडीया काहाथ सलाम म्हारो तो आंबण नाबण ए गोरी जोबन बसकर राख। सनेही ढोला। छोक धरूं तो गिर पडर लाल भुंईयां बिलाई खाय बालो सो जोबन क्ति धरूंजी ढोला दिन दिन बीत्यो जाय। सनेही ढोला॥ पर नारी पहनी छुरीर लाल मत कोई ल्यावो अंग दसुसीस रावण कटयोजी ढोला पर नारीके संग॥ सनेही ढोला॥ पर नारी पहनी छुरीर लाल तीन ठोडस खाय, धन छीज जोबन हडजी ढोला पत पंचाम जाय॥ सनेही ढोला॥ ढोलन कागद लिखूर लाल बैठ महल केजी माय आंगली-यांको मुदड़ोजी ढोला ढल ढल आब

म्हारी बाय ॥ सनेही ढोला ॥ एवड छेवड ओलमार लाल बिच बिच सात सलाम, परन पिराछत क्यु लियोजी ढोला राखो क्युनो अखन कवार ।। सनेही ढोला ॥ अखन कंवारी नबर घणाजी ढोला वाही लगगो सराय ॥ सनेही ढोला ॥ तूं छा ए कुंजा मेरी भायलीर लाल तुंछ धर्मकी भान, जा देसा ढोलो बसे ए कुंजा जां देशा उठ जांय॥ सनेही ढोला ॥ माणस होय तो मुख कवार लाल मोस कयो एन जाय, लिख म्हारी सोहन चांच लीए गोरी और रतनारी पांख सेनेहो ढोला एवड छेवड ओल मार लाल बिच बिच सात सलाम, यारीका हेवा छोड़ दयोजी ढोला, पर बीन ल्योर चितार॥ सनेही ढोला ॥ बागई कुंजा बागईर लाल, गई गई कोस पचास डेरातो ढाल्या चम्पा बागमें जी ढोला, वढ़ो बड़की छांय ॥ सनेहो ढोला ॥

ढोलो मारूणी की पासा ढाली यार लाल, कुंज रही कुर लाय हाथका तो पासा हाथ रहा जी ढोला बाजी रही पासा माय॥ सनेही ढोला॥ उठ गोरी उठ सांवलीर लाल पासा घोर उठाय, कोई ए जीनावर बोल्यो देशको ए गोरी जास्या म्हें उनके पास॥ सनेही ढोला॥ सोय रहो राजन सोय रहोर लाल मत करो कोई ए बोचार णाई जीनावर बोल देशका जी ढोला जकोकेर बिचार॥ सनेही ढोला॥ कुण राजाकी डोकरीर लाल कुण तुमारो नाम कुणारा भेज्या ओटी आईया ऐण्यारी कुणारा कागद थार हाथ सनेही ढोला॥ नल राजाकी डोकरीर लाल कुंज हमारो नाम थारी घणरा भेज्या ओटी आईया जी ढोला थारी घणरा कागद म्हार हाथ सनेही-ढोला। किसो ए सुरंगा आपणो देस ढोर लाल किसा ये सुरंगा माई बाप, किसा ए

सुरंगा साथी भाय लाये प्यारी किसी-क सुरंगो म्हारो नार। सनेही ढोला। घणोए सुरंगो आपणे। देशडोर लाल घणाए सुरंगा माई बाप घणां ये सुरंगा साथी सायंदा जी ढोला येक धिद् रंगो थारोनार। सनेही ढोला।

बांचो म्हारी सोहन चांच लीर लाल और रतनालोजी पांखः एवड छेवड ओल माजी ढोला बिच बिच सात सलाम। सनेही ढोला। आज अपुढा क्युं सुत्यार लाल नखस कुच रोजी भीत केर दिशावर चित चढ़ोजी ढोलाके चित आया माई बाप। सनेही ढोला। नार दीसावर बित बस्यांर लाल नाचित आया माई बाप एक चित की आई घर की गोरडी ए गोरी बाधण भोत उदास॥ सनेही ढोला॥ आज सवांरी ढोलो उठो योर लाल गयो गयो (हळो यारोझोक कगल घालु घुवरार

करहा कगल रेसम डोर, सनेही ढोला। हम गल घालो घुघरार लाल हम गल रेसम डोर, चान्द छिप्या सुरज उग्याजी ढोला। था थारी मारूणी मिलाय। सनेही ढोला आज सवारी गोरी उठी योर लाल गई गई करवारी झोकज ढोला नरवल चढर करवा लंगड़ो होकर बढ सनेही ढोला। खोडो होउ तो डामदे गोरी बंध्या मराएज भूख, जासा ढोलाजोर सासरए गोरी चरस्या म्हे नागर बेल। सनेही ढोला। सीक सलाई तन डामस्यार लाल लापसीया सीकताव, पानी तो प्यास्या तन होद कीर करवा निराम्हे नागर बेल। सनेही ढोला। तूं छ-ये सुंदर बावलीये गोरी तुं छ असल गंवार ओराको ढोलो बुलाय के ये गोरी माण लीयो दिन च्यार। सनेही ढोला। बड़ा बेल बोल जना बोलोर लाल तूं क्युं बोले ढोर, छोटक पड़गी तेरी पांसलोर

करवार खिर कुजरगा तेरो काम । सनेही ढोला । ढोलो पुंचावण घण गई र लाल सात सयाके जी साथ, ढोलो पुंचायर पाछी बावड़ीजी ढोला निरखत आवत खोज । सनेही ढोला । ढोलो । पुचायर पाछी बावडी र लाल आई २ समंद तलाव, मुख धोवे कुरला करर लाल नणग्या जलल्याय । सनेही ढोला । मालीकी बेटा लाडली र लाल सींच रही बण राय, तेर कनकर ढोलो निसस्यो ये बाई किस ये उमाव जाय । सनेही ढोला । करवारी चाल उतावली र लाल घण ये उमाव जाय, कई ये दिनाको बिछडो ये जाणु प्यारी घणसे मिलवा जाय ॥ सनेही ढो० ॥ गलपरकी बावडीर लाल तेरो मिठोजी नीर तेर कनकर ढोलो निसरो ये प्यारी राख्यो क्युंनी बिलमाव ॥ सनेही ढो० ॥ गलपर की बोर डीर लाल तेरा मिठाजी बेर, तेर कनकर ढोलो निसरो

ये बाई राख्यो क्युनी बिलमाय ॥सनेही ढो०॥ तोडा छा चाख्या नहीर लाल लिया ये। पलक बांध, जमेरा बेरज चाख तोये बाईमें लेती बिलमाय ॥सनेही ढोला॥ करवा चाल उतावलो र लाल दिन थोडो घर दूर दोय गोरया को सोहे बीर करवा रयोमे अकेलो आज ॥ सनेही ढोला ॥ थेछो ढोला बावलार लाल थेछो असल गंवार, यारी का हेवा छोड़ दोजी ढोला परणीको लोर चितार ॥ सनेही ढोल ॥ ढोलाई ढोला घर भरयोर लाल करवाई करवा गुवाड इसडो कलम को नहीजी म्हारी लाडोको लणी हार ॥ सनेही ढोला ॥ ढोलाई ढोला घर भरयोर लाल करवाई करवा गुवाड ढोलो तो उतरो चम्पा बागमें ये तेरी लाडो को लणा हार ॥ सनेही ढोला ॥ सात सयांक झुमकर लाल ढोलो निरखखण जाय, थान चात रंग जद बदाजी थारी मारू पीन ल्योरपीछाच

॥ सनेहो ढोला ॥ आगे लडोना पाछे लडीर लाल बिचलडो म्हारी नार, हाथ पकडकर खींचलीजी ढोले। लिनीछे हीवड लगाय। ॥ सनेही ढो० ॥ कालास धोला भयार लाल होगया पीलाजी बाल बालक पणका बिछडाजी ढोला मिला बुढा प आय॥ सनेही ढोला ॥ सरवर का सरवर रयार लाल पानी रयो ये निवाण म्हे गोरी थे साहेबोजी ढोला चाहे सो रंग माण। सनेही ढोला मारूजो घर आवमाझिल रात घर आवोना सरद की बहार सनेही ढोला मारूजी घर आव मझिल रात ॥

होली नं० १२

गढ़सां होली जी उतरी मारू हाथ कांगण माथे मौर होलो आई राजा जीरा देसमो। चढ़ो इतो रांघाजी खोचडो मारू खोहतो जिंदवा रोलाज होली आई साहब

रंग करो ॥ जीम चढांगा ए गोरी खीचडी गोरी आयजी मांगा जीद् वारा भात । होली आई गढ़के कांगरे ॥ चढोहै तो ओठां जी चुनड़ी मारूखो एतो दीखणीरो चीर। जी होली आई राजा जीरा देशमो ॥ निरख चढांगाए गोरी चुनडी गोरो आय निरखांगा देखणेरो चीर जी होलो आई गढ़के कांगरे ॥ चढो एतो ढालांजी ढोलियो मारू रवो एतो फुलडारी सेज। होली आई साहेब रंग करो ॥ पोड चढांगा ए गोरी ढोलिये गोरी आप पोढांगा फुलडारी सेज। होली आई गढ़के कांगरे ॥ चढ़ोए चढ़ाओ जीके करो मारुक्यों तरसाओ नाजकजीव। जी होली आई राजा जीरा देशमों ॥ लश्करिया भंवर खेलोह्मांसे फागजी होली आई राजा जीरा देशमो। छूट जन लांगा जी छांटियां मारू दलजण लागीजी दाल। जी होली आई गढके कागरे ॥ सिमजण

लागीजी कोथली मारू गिण जण लाग्या छदाम। होली आई राजा जीरा देशमो॥ तणजण लाग्याजी ताणिया मारू बटजण लागी छे डोर। जी होली आई गढके कांगरे॥ जद पगमेलोजी पागडे मारू डब-डब भरियादो नैणजी। होली आई साहेब रंग करो॥ आं मूतो पोछाजी पेचसां मारू लीनी छ हि बडे लगायजी। होली आई साहेब रंग करो। लश्करिया भंवर खेलो म्हासे फागजी। होली आई गढके कांगरे।

जुवाई नं. १३

म्हारा लाड जवाई न सुसरोजी र बु-लावे थे मुजरो पधारोजी मोल्यांवाला। ह्मारा लाड जंवाईकी ओल्यु २ ह्मान आवे राज॥ म्हारे लाड जंवाईन सासु-जीर बुलाव थे जी मण्न पधारोजी मोल्यां वाला॥ ह्मारे लाडा०॥ ह्मारे चतुर जंवाईन

सालोजी बुलावै थे घुडला डकावोजी मोत्यां वाला ॥ ह्मारा लाड० ॥ ह्मा लाड जंवाईन सालाहेली बुलावै थे घातकरण न आवोजी मोत्यां वाला महारे चतुर जवाई जीन सालीजी बुलावे थांरि मारूणी मिलावां जी पेचवाला । ह्मारा लाड० ॥

कलाली नं. १४

चांदण लोसो चढयो गिगनार, आ- लीजा भंवरजीओ कोई कीरती झुक आई जी गढ़के कांगरे जी ह्मारा राज, विलाला ढोला किरती झुक आईओ गढ़कै कांगरे जो ह्मारा राज ॥ सूतीछ कलाली रङ्ग मैडीरै मांय झुमादे कलालो ए मद छकियांरी जारो प्यारो ए कोई सूतीर सिराण लसकर नीसर रयो जी ह्मारा राज ॥ देखो ह्मार पनजी कलालीको रूप आलीजा भंवर जीं ओ मद छलकिया भंवर जी ओ कोई आयत्ति

वाली पंछीडो गिरपरडयो जी ह्मारा राज थोडोसो कलाली घणपाणी डोसौ पाव झूमादे कलाली एमद छकियांरी ए कोई घणो एपिसायो पंछिडो दूरको जी ह्मारा राज ॥ ह्मारो पाणी विसढारों घूँट आ- लीजा भंवर जी ओसे नर पीवसे नर ना- जीवजी ह्मारा राज ॥ थारो पाणी विस डारी घुंट झूमादे कलाली एमद छकियांरी जारी ए कोई थारी तो परण्यो गजवण क्यु जीवजी ह्मारा राज ॥ ह्मारो परण्यो चतर सुजान आलीजा भंवर जो ओ मद छकिया ॥ लहर उतार वासिंग नागकी जी ह्मारा राज, ह्मेवी बणस्या चतुर सुजान झूमादे ॥ मद छ किया ॥ लहर उतारां वासिग नागकी जो ह्मारा राज ॥ कोठछे कलाली थारा घरबार झुमादे ॥ मद ॥ कोई कुणस दरवाज रसतो नीसरजी ह्मारा राज, ॥ सूरज स्यामी ह्मारा घरबार ॥

कोई जो धाण दरवाज रसतो निसरजी म्हारा राज ॥ उठोना कलाली ढंकिया फलासा खोल झूमादे । मद । कोई कदको मतवालो घूमवारण जी ह्मारा राज ॥ बुडला राजाजी पाछाजी ह्मो डोड आलीजा० । मद । आंगण फूट ह्मारो लाचरोजी ह्मारा राज, ॥ फूटतो कलाली धण फूटण दोय झूमाः मदः । कोई और दुलाद्यां जाजाहि गलुजी ह्मारा राज ॥ उठोना कलालीधण ह्मला दिवलो जोय, झूममदः । कोई घणो ए रसीलो उभ्रो बारणजी म्हार म्हलां दिवलोन तेल आलीः । मद । कोई रैन अंधेर मोदिडोसो गयोजी ह्मारा राज, ॥ थारी दासी ह्मार साग भेज झूमाः । मदः कोई घड़लो भरां दयुं पलियार तेलको जी ह्मारा राज, ॥ ह्मारी दासी अधिक सरूप आलीः । मदः । नइजी ठिकाणो थार जीवको जी म्हारा राज ॥ इतनो कलाली धण गर्वन बोल

झुमाः मदा । कोई थार सरोसो म्हार ङ्यो डस जो ह्लारा राज ॥ कोनो कलालो दारू डोरोमोल झुमाः । मदः । कोइ कर म्होर को प्यालो प्रेमको जी ह्लाराराज ।। असी म्होर को दारूडो रोमलो आलोदः । मदः । लाख म्होर को प्यालो प्रेम को जो ह्लारा राज ॥

बालाजीको नं० १५

सुसरो जो ह्लारा थे छो धर्मका बाप जी । ह्लारा हस्तोडा सिनगारो म्हेश्राला-जो ने धोकस्यां । कायेको खातिर भवड बोलो छे जात जो थे तो काये को खातिर बाला जो ने धोकस्यो । कंवरा के कारन म्हे तो बोलो छे जात जी म्हारे चुडलाको कारण बालो जो ने धोकस्यां । जेठ जो म्हारा थें छो धर्मका वाप जो थारा कर हर्लिया सिनगारो म्हे बाला जोने धो-

कस्यां देवर म्हारा थे छो चतुर सुजान जो थारा गोडलिया सिनगारो म्हे बालाजी धोकस्यां । मारू जी म्हारा थे छो सीरका- श्यामजी थारी बैलड़ली जुताओ म्हे बाला जीने धोकस्यां ॥

मावलियांको नं. १६

रोली भरियो चोपडो भवड तूं कित चालीजी राज। आज म्हारी मावलीमंढमें विराजै म्हेवेने धोकण जाय विजसणी हरख होलरियोजी राज ॥ चावल भरियो वाटको भवड तूं कित चालीजी राज। आज म्हारी मावली मण्ढमें विराजे म्हेवेने जिमावण जाय विजासण हरख होलरियो जी राज ॥

नीमडली नं. १७

चाल्या पन्ना मारु जो ध्याणारे देश पन्ना मारु जो ध्याणारी बाडी निमडली झोकरईजी म्हारा राज। क्यां रे बंधाहू नीमडलीकी पाल पन्ना मारू क्यांरे सिचाऊं हरिए रूखनजी म्हारा राज॥ गुडघी बंधाओ नीमडलीकी पाल पन्ना मारू दूध सिंचाओ हरिये रूखनजी म्हारा राज॥ मत कोई तोडो नीमडलीकापाल पन्ना मारू दूध सिचाऊं हरिये रूखनजी म्हारा राज॥ नणद बाई तोडे नीमडली का पान पन्ना मारू देवरियो छिनगारो तोडै सोटकी जी म्हारा राज। नणदल बाईने सासरिये खिनाय पन्ना मारू देवरने खिनाय थां राजा जीरी चाकरीजी म्हारा राज॥ नणदल बाईने मोती डारो

हार पन्ना मारू देकरने परणघां मासैं छोटी भैणडीजी म्हारा राज। ऊगी नीमडली पान दुपान पन्ना मारू ऊगतडी जगमोह्यो गोरीको साहेबोजी म्हारा राज ॥ बैठया पन्ना मारू तख्त बिछाय पन्ना मारू कागद तो आय हाडे रावकाजी म्हारा राज। कागद पन्ना मारू बांच सुनाय केरे लिख्यो है कोरे कागदांजी म्हारा राज ॥ कागद मृगानयणी बांच्यान जाय मृगानयणी छाती तो फाटै होयडो उजलोजी म्हारा राज। एवड छेवडसात सलाम मृगानयणी बिच बिच लिख्या पूरा ओलमाजी म्हारा राज ॥ कागद पन्ना मारू पाछाजी फेर सेला मारू इबका चौमासा राजन घर बसोजो म्हारा राज। ओलंग थारे बाबा जीने भेजपन्ना मारू इबके चौमासा राजन घर बसोजी म्हारा राज॥ बाबा जीरी चढै है बलाय मृगानयणी हमरे सरीसा

कंवर घोड़ां चढेजो म्हारा राज। ओलंग
घरे बडोडे वीरने भेज पन्ना मारू चतर
चौमासा राजन घर बसोजी म्हारा राज॥
बहोरे वीरे सात बरसकी धीये मृगानयणी
बाप रणाया ओलंगवै चढेजी म्हारा राज।
ओलंग थारे लोढ़िये वोरेने भेज पन्ना मारू
चतुर चौमासे राजन घर बसोजी म्हारा
राज॥ लोठिये वीरेकै नाजकडीसी नार
मृगानायणी महल चढ़ती सुन्दर वाडरेजी
म्हारा राज। ओलंग थारे भायलांने भेज
पन्ना मारू चतुर चौमासे राजन घर बसो
जी म्हारा राज॥ भांयलांका ऊखल खंडो
नार मृगानयणी उठ संवारो झगडो वा
करेजी म्हारा राज। जेथे चाल्या राजा-
जीरागदेश पन्नामारू बरज चढोना आ-
भारी बीजलीजी म्हारा राज॥ बीजलडी
घण बरजी न जाय मृगानयणीवे रूत चि-
मके सावण भादवांजी म्हारा राज। जेथे

चाल्या राजाजीरा देश पन्ना मारू बरज चढ़ोना पाडे सणको दीवलोजी म्हारा राज ॥ दीवलडो घण वरजो न जाय मृगानयणो जिणका तो कंथ घरां बसैजी म्हारा राज। इतनामें पन्ना मारू थेई कपूत पन्ना मारू चढ़ती जवानी चाल्या चाकरीजी म्हारा राज ॥

बीनाणी नं. १८

तुंतोराये खातीका चतर सुजान बी- नाणी लाल तन रावलकोक बूलाइया ॥१॥ तुंतो मोल चनणीयारो रूख बीनाणीलाल इतरोसो चनण म्हारे चाइये ॥ २ ॥ म्हारी कालीमाता जोगो दीवलड़ो घडल्याव बी- नाणी लाल सार कलकतमें बीरा चाना- णुजे ॥३॥ म्हार हणमत जोगो गोटलीयो घडल्याव बीनाणीलाल म्हार पीतरां जोगी

बीरा बीटलीजे ॥४॥ सीतलामाता जोगो छावड लोघडल्याव बीनाणीलाल म्हामाया जोगो बीरा पालनु ॥ ५ ॥ म्हारा देईवे देवता सती माता थान होज्यो सुरगनी-वास बीनाणीलाल थारी मांजलरात जगा-इयाजे ॥ ६ ॥ अबतक तो म्हे बोल्या सा-चही साच बीनाणीलाल अब झुठही झूठ बखाणस्यां ॥ ७ ॥ थेतो सोवो हकजागो साजी राम चंदरजीरापुत गोरा नाथुराम थारी खातर ल्याई रगरोढालीयोजी ॥ ८ ॥ म्हारे राइखातीकनलटक झुंबार बोनाणो लाल खातण नगदी मुकलांव ठणाजे ॥ ९ ॥ म्हार राये खातीक मुरको वालुकान बीना-णीलाल खातण केझबर खबीरा झुटणा-राजे ॥ १० ॥ म्हार राइखातोकन खुलायेक वाये बोनाणीलाल खातण वोरंग बीरा चुनडोजे म्हाराये खाती कनकरड़ कसार बोनाणीलाल खातणन लीबपीच बोरा

लापसीजे ॥ ११ ॥ तेरोलापसड़ो मजीलव लीयो थे सुवाद वीनाणीलाल तेतो गुड़-गोडतल सुहागण राणी राखीयोजे ॥१२॥ थातो चलती खातणसो मुडमुड देये अ-सीस वीनाणोलाल राजा रामजीरावधज्यो नानीदुवज्यु ॥ १३ ॥

भातको नं० १९

श्योदास लुंठो लाड़की नाजुक नारी हांय दारी दोड़ी दोड़ी पीयर जाय सगोजी नाजुक नारो नैन मिलाय चलो प्यारी। पीयर गईको गुण होयो ए नाजुक नारो हांये दारी आई आई भतीयाने नूत सगी जो नाजुक नारी नैनमिलाय चलो प्यारी॥ भतो आया चावसे ए नाजुक नारी हांजी दारी न दोनीछे चुमड उड़ाय सगो नाजुक नारो नैनमिलाय चलो प्यारी। चुनड़ी

ओढी सोवणी ए नाजुक नारी हांये दारी भतियांको नाम बताय सगी नाजुक नारी नैन मिलाय चली प्यारी ॥ शिवनारायण दुरगादत्त रामलाल बंसीधर सीताराम नाजुक नारी हांये दारीदारी घाली छै मोहर पचास सगी नाजुक नारी नैन मि-लाय चली प्यारी ॥

धोवण नं२०

उबी धोवण सखरीधारी पालहांये मन सोगनधारी ये कोई उबीतो धोव धोवण कापड़ा जीराज ॥ १ ॥ थोड़ोसो मीजाजण म्हाने पाणीडोसो पाये । हांये मन सोगन धारीये म्हान आन गलारीये कोई धोण तो तीसायो पंछी दूरको जीराज ॥ २ ॥ म्हा-रातो पानी बीसडारी बेल हांवो पना भ-वर जीवो आलीजाकंवर जीवो कोई सेनर

पीव सेनरना जीव जीराज ॥ ३ ॥ थारो पाणी वीषढारी बेल हांये गज गहनीय कोई थारोतो परणो पापणक्यु जीव जी-राज ॥ ४ ॥ म्हारो परणो चतुर सुजान मन सोगन थारी वो कोई ल्हर उतार काल नागको जीराज ॥ ५ ॥ म्हेबीतो बणस्यां चतुर सुजानः हाये म्हारी तनक मीजज-णये कोई ल्हर उतारां चलत नागकी जी-राज ॥ ६ ॥ बांदी धोवण कपड़ारी पोट हांये मन सोगन थारो ये कोई हाथ लेई छरंगरीजी राज ॥ ७ ॥ धोया धोवण क-पड़ा दोयरे चार ॥ हांवो मन सोगन थारी जी कोई धोबी तो धोया पुराडों उखजी राज ॥ ८ ॥ देखां धोवण थाराजी हाथ हांये मतुवारी ये कोई गोरे हाथांरे छाला पड़गया जीराज ॥ ९ ॥ देखां मारूजी था-राजी हाथ हांवो लसकरियाजी बेजीवो मनभ्ररियाजी कोई गोरहाथका छाला पड़

गयाजी राज ॥ १० ॥ चालो पन्ना मारू आपण देस। हांवो मन सोगन थारोवो कोई थारीवो कोई थारो देसडलो म्हारो सासरो जी राज ॥११॥ येतो चालो भायलारे साथ मन सोगनजी कीर कोई म्हतो साथणीयार झुमषजी राज ॥ १२ ॥ दासी येतुचड़ चोवार देख हांये मनसोगन थारीये कोई कुण मुसाफर दीख आवतो जीराज ॥ १३ ॥ दीख वाइजी लीलीरो असवार। अजी थाने साची कहां छावो कोई एक मुसाफर दीख आवतो जीराज ॥ १४ ॥ दासीये आपांकी भगत कराये हांयेतन सोगन म्हारीये कोई हारोतो आयो छैलो दूर को जी राज ॥ १५ ॥ दासीये तुंताती पाणी भेज हांये म्हारो हुक्म बजादेये। कोई उवट नव्हावो प्यारो पावणुजीराज॥ १६॥ दासीयेतुं जोनवारो भात रंदाये हांये जलदी करये कोई षपोतो मुखालु प्यारो पावणुं

जीराज ॥ १७ ॥ दासीये तुम्हलां दीवलो जोये हांये तन सोगन म्हारीये कोई घणुतो रसीलो प्यारो पावणु जीराज ॥१८॥ दासी-येतुं चोपड़ पासारला हांये तन सोगन म्हारीये कोई घणुतो खिलारी प्यारो पा-वणू जीराज ॥ १९ ॥ थारे म्हला दीवलो नबात। हांये चन्दा बदनीये कोई थारो तो परणु हन्देर क्यूं सोव जीराज ॥२०॥ थारी दासी म्हारे खाग भेज हांये मीरगा नैनीये कोई घड़लो भरदुं चंपल्यार तेलको जी राज ॥ २१ ॥ म्हारी छोरो अदक सरूप हांवो मदछकीयाजी कोई कांइर ठोकाणु यार जीवरो जोराज ॥ २२ ॥ मीरगा नैनो ईतरी गरवन बोल। हांये छीनगारोये कोई थारये सरीसी म्हार डेडस जोराज ॥ २३ ॥ मीरगा नैणो अब थारी जात बताये हांये तेरी सूरत प्यारोये कोई जात बताया ढोलै पग धराजीराज॥२४॥पना भंवरजी धोबी-

डारो धीयैं हांवो याने साथी कांछाथी कोई बडरे घराका धोवा कापड़ाजी राज ॥२५॥ मिरगानै नी आयो थारी आस पजोये। हांये मनै सौगनथारोयै कोई हांये हातियारीयै कोई आस निरास्यौ गजबणते करोजी राज ॥ २६ ॥

तमाखू नं० २१

कोठे भूवाउं म्हारा मारू जी जरद तमाखू कोठे गुलजारीरो फूल पीवोना । थाई जोरा बोरा जरद तमाखू ॥ १ ॥ गांजा भुवाउं म्हारा मारूजी जरद तमाखू थोरो गुलजारी रोफुलपीवोना आलीजा भंवरजी जरद तमाखू ॥ २ ॥ क्यारें सींचा-उं म्हारा मारूजी जरद तमाखू क्यारें गुल-जारी फुल पीवोना सेजांरा सुरज जरद तमाखू ॥ ३ ॥ दुदांसीचाउं म्हारा मारूजी जरद तमाखू थही गुलजारी फुल पीवोना

होवडारा जरद् तमाखू ॥ ४ ॥ क्योंरे नी-
नाणु म्हारा मारू जी जरद् तमाखू क्योंरे
गुलजारी फूल पीवोना कोचरा वो काजल
जरद् तमाखू ॥ ५ ॥ खुरपा नीनाणु म्हारा
मारू जी जरद् तमाखू कसीयां गुलजारी
ए फूल पीवोना नथलीरा मोती जरद् त-
माखू ॥ ६ ॥ क्योंरे चुटऊ म्हारा मानीगर
जरद् तमाखू क्योंरे गुलजारी फूल पीवोना
ससू सुगणीरा जाया जरद् तमाखू ॥ ७ ॥
डाला चुटाउं म्हारा मारूजी जरद् तमाखू
छबल्या गुलजारी फूल पीवोना मदछ-
कीया भंवरजी जरद् तमाखू ॥ ८ ॥ क्योंरे
मंगाउ म्हारा मारूजी जरद् तमाखू क्योंरे
गुलजारीरोफूल पीवोना म्हारा भंवर
बाईला जरद् तमाखू ॥ ९ ॥ गाड़ा मंगावो
म्हारा माणीगर जरद् तमाखू ऊंटा गुल-
जारी रोफूल पीवोना म्हारा भंवर बीलाला
जरद् तमाखू ॥ १० ॥ कठे तो सुकाउं मदछ

की या जरद तमाखू कोठे गुलजारी रोफूल पीवोना हीवडरा जीवडा जरद तमाखू ॥ ११ । आंगणीयें सुकावो म्हारा मारू जी जरद तमाखू छायां गुलजारी फूल पीवोना बाई जीरा जी जरद तमाखू ॥१२ कुण तो पीवली म्हारा मारूजी जरद तमाखू कुणतो गुलजारी रोफूल पीवोना भोली बाई जीरा बीरा जरद तमाखू॥१३॥ साथीड़ा पीवलामन भरीया जरद तमाखू आप गुलजारी रोफूल पीवोना म्हारा भंवरजीलाल जरद तमाकू पीवोना कोयरां वो कजल जरद तमाखू ॥ १४ ॥

मैंदी नं० २२

मैंदी बाई बाई बालूडारो रेत। प्रेमरस मैंदी राचणी । मैंदी सींची सींची जल जमनारे नीर। प्रेमरस मैंदी राचणी मैंदी सींची सींची काचे दूध, प्रेमरस मैंदी

राचणी। मैंदी ऊभी सोहे गुलक्यारी के बीच। प्रेमरस मैंदी राचणी। मैंदी चूंटी चूंटी थाक डारी कोर। प्रेमरस मैंदी राचणी। मैंदी पीसी चाकी केरे पाट। प्रेम रस मैंदी राचणी मैंदी भीजे भीजे रतन कटोरे बीच। प्रेमरस मैंदी राचणी मैंदी मांडी मांडी म्हारी छोटी भैंण॥ प्रेम रस मैंदी राचणीं॥ मैंदी मांडी मांडी जीजाजी बैठ॥ प्रेमरस मैंदी राचणी॥ मैंदी निरखे म्हारी नणदल बाईको बीर॥ प्रेमरस मैंदी राचणी॥ कुण मांड्या ये सुहागण थारा हाथ॥ प्रेमरस मैंदी राचणी॥ थार हाथ म्हारा हियड़ा ऊपर राख॥ प्रेमरस मैंदी राचणी॥ थारी मैंदी ऊपर वारूं वारूं पन्ना झवार॥ प्रेमरस मैंदीराचणी॥ मैंदी निरखी निरखी बाईजीरे बीर॥ प्रेमरस मैंदी राचणीं॥

फागन की गाली नं० २३

टेर ॥ काच देख सुरमो सारे, नेण निजारा हद मारे ॥ नाथुरामजीवाली है नखरालो ॥ काच देख सुरमो सारे ॥ नेण० ॥ १ ॥ सिरपे बोर पाटीपे कोर, जवानी जोर टीलामारे ॥ कांच देख० ॥२॥ पकड्यो हाथ करे रसको बात, हुई घण साथ यार लारे ॥ कांच देख० ॥ ३ ॥ घूंगट खोल चलावे चोट, चुसकावे होट यार प्यारे ॥ काच देख० ॥ ४ ॥ आई रेल जब दीयो ठेल, जब चली रेल ज्यूं सिसकारे ॥ काच देख० ॥ ५ ॥ नाजुक छाती जोबन माती ज्यूं मदहाथी नहिं सारे ॥ काच देख० ॥ ६ ॥ सज सिणगार हुई धण त्यार रिझावे यार तुरांवाले ॥ काच देख० ॥७॥ फिरां बारे मास आया थारे पास ह्याने मोटी आस कराजारे ॥ काच देख सु० ॥८॥

Printed by D. P. Gupta
at the B... PRESS, 1/2. Machua Bazar Street, Calcutta.

चलिये ! दौड़िये !! खरीदिये !!!
मारवाड़ी गीतके चारों भाग
तैयार हैं
इन चारों भागोंमें बहुत अच्छे अच्छे मजेदार गीत लिखे हैं। इन गीतोंको बांचनेसे तबियत खुश हो जाती है। पोथी बहुत थोड़ी बच गई है। जल्द मँगा लीजिये नहीं तो पीछे पछताना पड़ेगा दाम चारों भागोंका १) घटिया गत्तेवाली १=) बढ़िया गत्ते को १।)
मारवाड़ी बोलीके ख्याल।
पूरनमल भक्तका ख्याल ।-)
चकवेबेनको ख्याल ।)
जगदेव कंकालीको ।)
बीनबादशाहजादीको ।)
छोटा कन्यको ≡)
ढोला मरवणको ।)
ढोलसुलतान निहालदेको ।)
सुलतान मरवणके भातको ।)
खीवें आभलंको ।)
पन्ना वीरमदेको ।)
रुकमणी मङ्गल तस्वीरदार १।)
केसरबिलास नाटक १।)
नरसीका माहेरा ।=)
रिसालूको ख्याल ।)
अमरसिंहका ख्याल ।-)
भरथरीका ख्याल ।)
नया बारामासिया ।-)
शनि कथा कायस्तकी =)
शनि कथा राघवदासकी ।)
हिन्दी अङ्गरेजी शिक्षादर्पण १॥)
मिलनेका पता—
निहालचन्द एण्ड कम्पनी,
नं० १, नारायणप्रसाद लेन अफीम चौरस्ता, कलकत्ता।

नया
मारवाड़ी गीत।

चौथा भाग।

इस पुस्तकमें बहुत अच्छे अच्छे गीत लिखे हुए हैं,
एकबार जरूर देखिये।

प्रकाशक—

निहालचन्द वर्म्मा

नं० १ अफीम चौरस्ता, कलकत्ता।

प्रथम बार १०००] सं० १९७२ [दाम ।) आ०

Cover Printed at the Burman Press, Calcutta.

नया

मारवाड़ी गीत ।

चौथा भाग ।

दोहा ।

शिव शङ्कर के पुत्रको, सदा धरूं मैं ध्यान ।
गीतांको संग्रह करूं, शारद करो कल्याण ॥

गीत जेठजी को नं. १

न्हावण चनण चोकी जेठजी नुहावण नर जीठाणोजी न्हावोजी हरखीला जेठ जी लाड भवा न प्यारा लागोजी ॥ जीमण न जिन्दवारा भात जेठजी जीमावण नर जोठाणोजी जीमोजी हरखीला जेठजी लाड भवन प्यारा लागोजी पोडणन हिंगलु ढोलो जेठजी बिलसण नार जीठानी

जी बिलसोजी हरखीला जेठजी लाड भवा न प्यारा लागोजी ॥ चडणन कोतल घोड़ो जेठजी परखण न म्हौर पीयाजी परखोजी पंचा खानी जेठजी लाड भवान प्यारा लागोजी ॥

चिटियो गीत जवाइको नं २

सोनै केरो चिटियो घड़ाये घड़ाये ओजी राज ॥ राय रूपारी जैंवाई थारी दड गली जी राज॥ टोरो दीन्यो चतर सुजान होजी राज सैन कलाली रै म्हलां गिर पड़ी जी राज ॥ इतणो ढोला अनीतो न होय २ हो जी राज थारी परण्योडो सुन्दर झूरै बाप क जी राज ॥ सांडया भाई सांड पिलाण २ ओजी राज सैन कलालीजी मसलो मारि-योजी राज ॥ रलक्यो ढोलो मांझल रात २ ओजी राज दीन उगाया सुसरां जीर देसमें जी राज ॥ दूज्यो ढोलो गांयांरो गुवाल २

ओजी राज देस बताओ म्हार सुसरा जीरो कुणसो जी राज ॥ योही थार सुसराजीरो देस २ ओजी राज स्यालर थोडा जी सरवर भो घणा जी राज ॥ बूज्यो ढोलो माली डारो पूत २ ओजी राज बाग बतावो म्हार साला जीरो कुणसोजी राज ॥ योई थार साला जीरो बाग २ ओजी राज आम्बू तो पाका जी नींबू रस भरयोजी राज। बूजो ढोलो चेजा रोरो पूत २ ओजी राज पोल बताओ म्हारा सुसराजीरी कुणसीजीराज॥ याई थार सुसराजोरी पोल २ ओजी राज जाली जीरो काजी छजा झुक रया जी राज॥ बूजो ढोलो सुएल्यारो साथ२ ओजी राज बहिन बताओ म्हार साला जीरी कुणसीजी राज॥ याई थार सालाजीरी बहिन बहिन ओजी राज गोखा तो बैठी सुन्दर दातण बा करजो राज॥ देख्यो ढोलो मारूणीको रूप २ ओजी राज चल-

तीय सवारी घुडला थामीयोजी राज ॥
देख्यो गोरी मारूजीको रूप २ ओजी राज
खाये तिवालोजी सुन्दर गिरपडीजी राज ॥
लीनी ढोला हीबड़े लगाय २ ओजी राज,
आंसू तो पूंछाजी पगडीक पेच सूं जीराज ॥
तू गोरी मत वेदिल होय २ ओजी राज
इबकजावां जद साग चालांजी राज ॥
झूठा ढोला झूठ न बोल २ ओजी राज,
सदाई जावो थें साग कदेन ले चलो जी
राज ॥

गीत जल्लैजीको नं. ३

माथाने महमद पहर लीजियौ ये अम्बा
ये रखड़ोकी साई जल्लैजीने राख लीज्यो
ये जल्लोजी उमराव म्हारो ये जल्लोजी
सिरदार म्हारो ये अम्बारी तीखेसे नैनारो
जल्लोजी सिरदार म्हारो ये ॥ कानांन
कुण्डल पहर लीज्यो ये झूटणारी साई

जल्लैजीने राख लीज्यो ये जल्लो सिरदार म्हारो ये जल्लो ये उमराव म्हारो ये अम्बा ये बाक डली मुछ्यांरो जल्लो उमराव म्हारो ये ॥२॥ गलैनें गलसरी पहर लीज्यो ये अम्बा ये गल पटियेरी साई जल्लैजीने राख लीज्यो ये जल्लोजी सिरदार म्हारो ये जल्लोजी उमराव म्हारो ये अम्बा ये उजली बत्तीसी वालो जल्लोजी जोड़ीदार म्हारो ये ॥ ३ ॥ कडियांनै दांवण पहर लीज्यो ये अम्बा ये चूंदड़ी री साई जल्लै जीनै राख लीज्यो ये जल्लो ये उमराव म्हारो ये अम्बा ये सोवणी सुरतरो जल्लो उमराव म्हारो ये ॥ ४ ॥ जल्लोजी म्हाने गहना बक्सै ये अम्बा ये छोटोडीने हार बडीनै टेवटो ये जल्लो सिरदार म्हारो ये अम्बा ये झूमत चालै चाल जल्लोजी जोड़ीदार म्हारो ये ॥५॥ जल्लोजी म्हाने गांव बक्सै ये अम्बा ये छोटीनै अजमेर

बडीजीनैं मेडलोयें जल्लो उमराव म्हारी ये सूतीरे मुखडेमें जल्लो लाडू दे गयो ये ॥६॥

गीत जकड़ी नं. ४

चालो चालोर नगोनांर देस, सैंयां म्हारी ये म्हारो ये पोहरियो मारूजीरो सासरो ये राज ॥ १ ॥ थेंतो ढोला गोडलिया अस-वार पन्नाजी मारू म्हानेर गुजराती बहल जुतादो ये राज ॥ २ ॥ जी ढोला घेर ले चलो साथीडार साथ, पन्ना मारू म्हे तो भोज्यार चालां झुमखजी राज ॥ ३ ॥ढोला दिन दस करो न मुकाम पन्ना मारू आज री गोठारा दमडा म्हे भरो वो राज, रे ढोला हंस हंस बुजाछां बात पन्ना मारू भंवर पटाम गरदो क्युं उडजी राज ॥ ४ ॥ रे गोरी गयाछा भायलार माये, सुन्दर गोरी घुड़ला ढकाया चांनण चौकमें जी राज ॥५॥ रे गोरी हंस हंस बूजा छां बात,

सुन्दर गोरी नैंना मायलो कजलो फीको क्युं पड्यो ये राज ॥ ६ ॥ जी ढोला फेर गया परदेस पन्ना मारू ओलूंडी तो आई जुगवालार जीवको जी राज ॥७॥ रे ढोला हंस हंस बूजांछां बात पन्नाजी मारू, पगडीरा पेचज ढोला क्युं पड्या वो राज॥८॥ हांर गोरी गयार भायेलार माये, सुन्दर म्हे तो घुडला डकाया बालू धूलमें जी राज।९। अरे गोरी म्हे भी थाने बूजां छां बात, सुन्दर थारो चन्दा बाईरो चूडलो ये मैलो क्युं भयो वो राज ॥ १० ॥ रे ढोला थेईर पध्यारा परदेस पन्ना वो मारू ओलुडोर आइ बादिलग थार जीवरी वो राज॥११॥

गीत सेहल माताको नं० ५

सेहल मेरी सेहल माता तू कित चली (हर) हरे हरे सावण भरे भांदव जी। हाथ तमोल गल तुलसीको माला हर ॥ नगर

नगर बधावे मेरी भैणा मैं चलीं जी। बूझत बूझत नगर पहेठी साहजी श्रीराम जीरा बेटा पोता चिर जीवो जी॥ जाणां साह जी राधाकृष्णजी गोड़ी चढ़योजी केशव देव बीड़ी नागर पानकी जी। छैल सुदारी कंवर गोपीराम नै दीज्यो गोरे गोबरधन दास ऊपर माता बड़ै दडै जी॥ राखी गुसांइ लडी म्हारे बेटा पोताके जोड। राखी म्हारे कुल वाको झुमको जी॥ राखी गुसांई लडी म्हारी धीयें दियाको लाड। (हर) सरस जबायांको राखी पीकणो जी॥ राखी गुसांई लडी म्हारे सिर साहबको राज, सेज चढ़ती राखी गोरडी जी। राखी राखी गुसांई लडी म्हारे गोदा गुवांड (हर) खूंटे हो राखी मेरी मात बछडो जी॥ राखी गुसांई लडी म्हारे झले चूल्हे दूध। (हरे) राखी म्हारे सोहन थान बिलोवनो जी॥ राखी गुसांई लडी म्हारे इस नगरी

को राज। (हरे) लोग महाजन ब्राह्मण सुख बसीजी॥ ऊंची मैंडी घर घमसाल। (हर) लटक चौवारे दीबलो थिर जगे जी॥ उदोए विदो कर माता नागर पहेठी। (हर) ठंढासा झोला बालकियांने दे गई जी॥

गीत बीजो भाणजो नं० ६

खंदतो माटी चीकणी घडला घडये कुमार। हंससीतो घूम राजा रूड़के चालो मैयो देखन चाल। चंदनरूंख कटाये कजी पींजर ल्योर घड़ाये। बेटी तो जलमी राजा रूड़क दीज्यो नदीये भुवाये। रानी सोरठी चम्पक वरन्यावो बीजरावो आवोना घरां॥ १॥ बीजराये बसये पहाडमजी सोरठ कटका जीमाये मामीतो कागद मोकल्या घर बीजराई जीर जाय। रानी सोरठी॥ २॥ बीजराई कागद मोकल्याजी घर सोरठक जीजाय। ओरमाभ्यान रामरमी सोरठ न

जीसात सलाम रानी सोरठी ॥ ३ ॥ थारो तो मामुजी घर नही । पोल रूखालोजी आब घर रखवाला हाली बालदी सेज रूखलोजी राख । रानी सोरठी । चम्पक बरनीजी बीजा मारूआवोना घरां ॥ ४ ॥ बीजराये बालंद मोकलीजी घर सोरठकजी जाय आदी बालदम रोपराजी आदीम सठवाजी सूठ । रानी सोरठी ॥ ५ ॥ ओर माम्यानजी खोपराजी । सोरठ सठवाजी सुंठ रानी सोरठी ॥ ६ ॥ बीजराई आया देसमजी चीमकीजी च्यारूकुंट बीजराये आया बागमजी पाक्यदाडुजी दाख । रानी सोरठी ॥ ७ ॥ बीजराये आया बाजारम जी हटवा छाईजी हाट । रानी सोरठीजी ॥ ८ ॥ बीजराये आया पोलारजी हरखा डेडीजी वान । बीजराये आया आंणगजी हरखा देवर जेठ ॥ रानी ॥ ९ ॥ बीजराई आवत देखक मामातो डोगलको

जीहार। लोगजणे मोती चुगजी झुक झुक करये सलाम रानी सोरठी। केसर वरन्यावो बीजामारू आवोना घरां ॥ १० ॥ क्युं कर देवार जेठ कांट कमीस लुलीयाजी जीवो क्रोड़ बरस रानी सोरठी ॥ ११ ॥ चंदन चोकीजी बैठनाजी दुदपखालाजी पाव। चावलरांदा उजलाजी हरीये मुंगाकीजी दाल। रानी सोरठी ॥ १२ ॥ मांडा तो पोवांलव झत्राजी तीवण तीसवी तीस। घी वरतावां टोकाणजो जाला परकीजो खांड॥रानी ॥१३॥ आडोतो देस्यां आडणी जी झवक परोसाजी थाल। थाल परोस पद्मणीजी नेवरक झीनकार। रानी सोरठी ॥ १४ ॥ मामी भाणजडो दोनु जीमस्यां जी लेस्यां बीचलाजी गास। मामीको मुख जोवताजी गलम अटक्योजी गासट रानी सोरठी ॥ १५ ॥ जीमत नीरखां आंगलीजी बोलत नीरखांजी दांत मुंगफलीसी

आंगलीजी दांत दाडुकाजी बीज रानी सोरठी ॥ १६ ॥ जीमाजुध्यार सरयाये। मामी पोडण गेडबताये ऊचीमेड़ी हलहली जी दीवलो चसये मुसाल रानी सोरठी ॥१७॥ ओछजी पाया ढोलीयजी डरडा वरकीजी सोड़। गालम सुरया गींडबाजी थीर माकीजी मुंसोड़ रानी सोरठी ॥ १८ ॥ मामी भाणजड़ो दोनु पोड़स्यांजी लाल चुडजी गलबांये। रानी सोरठी ॥ १९ ॥ केस केसा मरमरयाजी दांतरया रङ्गलाये। रानी सो- रठी ॥ २० ॥ आंगण मोचा मचकीयाजी र थलीयां ठीमक्योजी सेल। रानी सोरठी हीवडरा जीवडा बोबीजा मारू आवोना घरां ॥ २१ ॥ भागसकेतो बीजा भागज्याजी आयो आयो राव खंगार रानी सोरठी ॥ २२ ॥ कैरखो कैमार वोये मामी अब म्हासे भागोन जाये कैमामजीन लेखाजी कवीजो जीवसेजी जाये रानी सोरठी॥२३॥

सोरठ मारया घर डहजी। बीजराये पुनकी जी पाल। काडकटारी मारो भीतमजी अङ्ग बीसारयोजी रोस। रानी सोरठीके सरबरण वो बीजराये आवोना घरां॥२४॥ स्यारटका टुंगाठकाजीजै कोई ओलंग जाये। जाये बनडन युंकहजी बिजली येन लेर बलाये रानी सोरठी॥ २५॥ केथारा ताला तोडी यार बीराके कोई कस्योर उजाड। केथारा ताजी हस्याजीके थारा हस्या हथीयार रानी सोरठी॥ २६॥ नाम्हारा ताजी हराजी नाम्हारो कस्यो ये उजार। सोरठ सागड भेलीयाजी हीबड घाल्योजी हाथ रानी सोरठी ॥२७॥ बीज-राईन बीद्याकरोजी गाडा घालोजीपुर रानी सोरठी ॥२८॥ फाडेम पथर पडयाजी उदर पडीजी अङ्गार। भरी सभाम ओल मोजीदेगयो रावजी खङ्गार। रानी सो-रठी केसर बरनावो बीजामारू आवोना

घरां ॥ २९ ॥ कर जोडया सोरठ खडाजी सुन म्हारी राव खङ्गार बीजरायेन बेदल हुयाजी कहोयेतो बूजाण जाये रानी सोरठी ॥ ३० ॥ कर जोडया क्या न खडया ये सुन म्हारी सोरठी नार । जीव मुट्ठीमा राखस्यांजी। कुसीये पडे ज्हांजी जाय रानी सोरठी केसर बरना वो बीजासरि आवो न घरां ॥ ३१ ॥ सात सख्यांर झुमकजी सोरठ बूजाण जाये। सात सखी बाहर खडीजी सोरठ सोरठ तम्बूजी माये रानी सोरठी ॥ ३२ ॥ कवो तो ओखद पथ करांजी कवो ये तो बैद बुलाये रान सोरठी ॥ ३३ ॥ क्या न तो ओखद पछ करोजी क्या न तो वैद बुलाये। या वेदन सोरठ तणीजी देखतही मिट जाये रानी सोरठी ॥ ३४ ॥ कहो ये तो सूरज साख घ्यां जी। लोटये गालजी लुणा जीवतडा बीछडा नहींजी मुवायेन दीज्योजी दोस

रानी सोरठी केसर बरणा वो बीजराय आवोना घरां ॥ ३५ ॥ सोरठ कालीजी नागनीडसये कटाउजी लोग। आया बीज राये भाणजोजी ले गयो लैर लगाये रानी सोरठी ॥ ३६ ॥ सोरठ नगर बेलडीजी उबी टान कुटाण। बीजराये कर हो हो रयोजी लेगयो जडसे उखाड रानी सो-रठी ॥ ३७ ॥ सोरट काची आमलीजी उग रही रसतजी माये। बीजराये बन्दर हो रयोजी बीन पाक्योजी फल खाये रानी सोरठी ॥३८॥ जाईछीराज रुडकेजीव्याइ राव खङ्गार माणी बीजराये भाणज दे मूंछापर ताव रानी सोरठी । हीवडराजी बड़ा वो बीजराये आवोना घरां ॥ ३९ ॥

गीत टप्पो नं. ७

सई सांजका निकस्यो ढोला आयो चांद छिपाये जी। क्या जानूं रंडी कै जाता

क्या जानूं बाजारजी ॥ १ ॥ ऊंचा है रंडो का बंगला नोचा है बाजारजी । देख लई रंडीकी सूरत भूल गया घरबारजो ॥ २ ॥ चार महीना सियालैका रंडी लिया बुलाये जी । आओ बाबू म्हारी सेंजा घणी करां मनुबारजी ॥ ३ ॥ च्यार महीना गरमी आई रंडी दिया जवाबजी जाओ बाबू थारे घरमें खड़ी उडीकै नार जी ॥ ४ ॥ हाथ जोड़ गोरीपा आयो प्यारी खोल किवाड़ जी उस रंडोकै सौ सौ जूता थारो ताबे-दार जी ॥ ५ ॥

गीत होलीका नं० ८

चांदजी तेरे चांदना खेलण जोगी छे रात ओजी म्हारा भंवर वालम होली आई ननद भोजाई खेलण नीसरी खेली छे सारी जी रात, ओजी म्हारा ॥ खेल माल घर बावरी पोलीडी-पोल उघार,

ओजी म्हारा ॥ ढकियाजी फाटक ना खुले उपराड कर आव थे तो जाओ ये सुन्दर थारा बापको, उपराड कर डाकिया टूटयो छे नौसर हार; ओजो म्हारा ॥ १ ॥ मोतीजी मूंगा सै चूका लाल रही लखचार ; ओजी म्हारा। टग टग म्हलां चढ़ गई मारूजी मुखड़ो खोल ओजी म्हारा ॥ ढकियाजा मुखड़ा ना खुले जित आई तित जाय थेतो ओजी सुन्दर थार बापका॥ पिलङ्ग घडायो म्हारे बापको सोड भराई बड़े बीर। क्युं कर जावां जी भंवर म्हारे बापका॥ सोड बगाई चानण चौकमें पिलंग दियो सरकाय थे तो ताओ सुन्दर थारो बापका॥ सोड सोडिया काखमैं पिलङ्ग लियो लटकाय ओजो म्हेतो चांलांजी भंवरम्हारे बापका॥ आडा भंवर जी फिर गया रूसडी न जाण न द्यां ओजी ऐ थे तो आओ सुन्दर रङ्ग म्हलमें ॥

गीत जचाको नं ९

रङ्ग महल बिच जचा होलर जायोजी तो सोनको थाल म्हारी सासुजी बजावै, अलबेली नचाये मारूजी बुलाव ये ॥ मारू जी बुलाव थारा हरख कराव ये सीरसोन को थान गल पटियो घडाव । अलबेलीः ॥ माथार परबाण थार महमद ल्यावये रखड़ी री मोड थारो लसकरियो लगाव । अल-बेली ॥ कानारा परवाण थार कुंडल ल्याव एतो झूंटना मोज मारूजी लगाव अल-बेली ॥ गलांर परबाण थारै खीवणो ल्यावै तो तिलडीरी मोज थारो आलीजी लगाव। अलबेली ॥ पूंचार परवाण थार गजरा ल्याव एतो चुडलेरी मोज थारो मारू जी जी लगावै। अलबेली ॥ कडयांर परवाण दावण सिमाव ए तो पीलांरी मोज थारो मनभरियो लगावै। अलबेली ॥

गीत टप्पो नं. १०

पतलीसी गोरी पतलो सो रसियो तो रङ्ग म्हल बीच मांड्यो तकियोरे बाबा मांड्यो तकियो, उस पतलीनै देखरे रीज्यो रसियो रे उस ॥ १ ॥ पानसी पतली हलदसी गोरी तो जोबनमें जानू घीवकी डलीरे बाबा घीवकी डली उस पतलीने देखरे रीज्यो रसियो उस पतलीने ॥ २ ॥ तूं लागै मेरे जेठको बेटो तो मैं लागूं सागण चाचीरे नैंना मत मारै म्हा पापीरे नैंना मत मारै ॥ ३ ॥ अंगली पकड़ मेरो पूंचो पकड़ मेरी रग दाबीरे मेरी रग दाबीरे मेरी रग दाबी जुगजीवो जेठु तो घर आवो चाचीरे जुग जीवो जेठतो ॥ ४ ॥

गीत जकड़ी नं. ११

डूंगरीयो घर छाया म्हारा माणीगर डूंगरियो घर छायो जी, थारे म्हारे जीवके

तांई जी जराकहंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो म्हारे बादीलाजी जराक हंसुक बोलो ॥ १ ॥ पहली रैन बुलाई बाठांज्युंर बगाई जी जराके हंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो म्हारा मानीगर दिलकी घुंडी खोलो ॥ २ ॥ दूजी रैन बुलाई म्हारा मानी-गरजी नार बड़ी पीव छोटो जी जराके हंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो लसकरीया जी थारी प्यारीसे क्यांरो ओलो जराके हंजा बोलो ॥ ३ ॥ तीजी रैन बुलाई म्हारे मानीगर तीजो रैन बुलाई जी पोलंग बड़ो घर छोटोजी जराके हंजा बोली दिलकी घुंडो खोलो लसकरीयाजो गोरी घणसे क्यांरो ओलो जराके हंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो म्हारा बादीलाजी दिलकी घुंडी खोलो जरके हंजी बोलो ॥ ४ ॥ चोथी रन बुलाई म्हारा मानीगर चोथी रैन बुलाई जीम्हाने बातांमें विलमाईजी जराके हंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो लसकरी-

याजी गोरीधण सैं क्यांको ओलो जराके हंजा बोलो ॥ ५ ॥ पांचवीं रैन बुलाई म्हारा माणीगर पांचवी रैन बुलाई जी झूलै ज्योंर झुलाईंजी जराके हंजा बोलो बोलो तो दिल खोलो म्हारा माणीगरजी प्यारीसे क्यांरो ओलो जराके हंजा बोलो ॥ ६ ॥ छटी रैन बुलाई म्हारा माणीगर छटी रैन बुलाई जी म्हाने लाडू ज्योंरे लडाईंजी जराके हंजा बोलो थारी नाजोसे क्यांरो ओलो जी, जराके हंजा बोलो ॥ ७ ॥ सातवीं रैन बुलाई म्हारा माणीगर सातवीं रैन बुलाई जी म्हाने अधर बतासोसी फोड़ीजी जराके हंजा बोलो तो दिल खोलो म्हारा माणी-गर नाजोसे क्यांरो ओलो जराके हंजा बोलो ॥ ८ ॥

गीत कांकरडीको नं० १२

पाणीड जाता गोरीका साहेबा घण पर कांकरडी कण बाई म्हारा राज ॥ १ ॥

म्हे हंस बाई म्हारी गोरडी धण थार कोठो डसी लागी म्हाराराज ॥२॥ इंडोक लागी गौरीका साहेवा मटकी राम उवारीम्हारा राज ॥ ३ ॥ बागांमें जाता गौरीका साहेवा धण पर नोम्बूडा कण बाया म्हाराराज ॥४॥ म्हे हंस बाया घरको गोरडो प्यारी धणक कोठेठसी लागी म्हारा राज ॥ ५ ॥ आंगी-याक लागी गौरीका साहेबा छतीयां राम उबारी म्हारा राज ॥ ६ ॥ महल चढ़ता गौ-रीका साहेबा धण पर लाडुडा कण बाया म्हरा राज ॥ ७ ॥ म्हें हंसबाया म्हारी गोरड़ी प्यारी थार कोठेडसी लागी म्हारा राज ॥ ८ ॥ घु ंघटके लागी गौरीका साहेबा अ-खीयां राम उबारी म्हारा राज ॥ ९ ॥ थारी तो घाली गौरीका साहेबा आभारी बिजलडी होय जास्यां म्हारा राज ॥१०॥ थे धण होस्यो आभा बीजली मारू थारो इन्दरियो घररासी म्हारा राज ॥ ११ ॥

थारी तो घाली गौरीका साहेबा बागांरो कोयलडी होय जास्यां म्हारा राज ॥ १२ ॥ थे धण होस्यो बागां कोयली पन्नो मारू सुवरीयो होय जासी म्हारा राज ॥ १३ ॥ थारी तो घाली गौरीका साहेबा म्हे तो म्हारा पोयरोय उठ जास्यां म्हारा राज ॥ १४ ॥ थे धण जास्यो थार बापक पन्नो मारू लैरयो लाग्यो आसी म्हारा राज ॥१५॥

गीत घूघरीको नं. १३

गीउं चणाकी घूघरडी रंधाय चणांका ऊपर टोटलाजी म्हारा राज ॥ १ ॥ घरको नाई बेग बुलाय म्हारी नगर बंटा ज्यो घूघरी जी म्हारा राज ॥ २ ॥ बांटी नाई का उरलै परले बास मत दई नणद घर घूघरीजी म्हारा राज ॥ ३ ॥ बांटी नाईक उरलै परलै बास नणदल घरे ओज्या टोटरा जी म्हारा राज ॥ ४ ॥ आवो

नाईका बैठो म्हारे पास म्हारी किस बिध
बांटी घूघरीजी म्हारा राज ॥ ५ ॥ बांटी
जजमान जरल परल बास नणदल घर
ओज्या चोलियाजी म्हारा राज ॥ ६ ॥
सूती जचा खूटीजी तान गीगन बोबो
नादियोजी म्हारा राज ॥ ७ ॥ बाहरसे
आयो गोरीको पीव म्हारी जचा बीजलो
क्यों पड़ीजी म्हारा राज ॥ ८ थारो नाई
असल गवांर म्हारी बांट न जान्यो घूघरी
जी म्हारा राज ॥ ९ ॥ सो घोड़ा असबार
बाइं घर बीरो पावणोंजी म्हारा राज
॥ १० ॥ छोरी छोरा चढोए पहाड़ थार
मामको दल उमडयोजी म्हारा राज
॥ ११ ॥ आवो बीरा बैठो म्हारे पास
म्हारे किस बिध आया पावणाजी म्हारा
राज ॥ १२ ॥ थारी भावज ओछ घरकी
धीय थारी पाछी मांगी घूघरी जी म्हारा
राज ॥ १३ ॥ माका जाया हल वां २ बोल

म्हारी दोर जिठानी सब सुणेजी म्हारा राज ॥ १४ ॥ थे म्हारा बीरा घरनजी जाव, थारी गावत ल्यावां घूघरीजी म्हारा राज ॥ १५ ॥ सोन रूपे की घूघरडी घडाय मोत्यांका ऊपर टोटलाजी म्हारा राज ॥ १६ ॥ हरे बांसको छावड़लो मंगाय दरीयाइ ऊपर ना लणोंजी म्हारा राज ॥१७॥ दोर जिठण्यां लीती म्हार साथ थारी गावत ल्याया घूघरीजी म्हारा राज ॥१८॥ बीरो म्हारो दोड पीछो कड जाय भावजडी घरमें घुस रही जी म्हारा राज ॥ १९ ॥ ओछ घरकी बाहर आय थारी पाछी ल्याया घूघरी जी म्हारा राज ॥ २० ॥ लीन्यो भावज पल्लोए पसार कोई गजको काढो घूंघटोजी म्हारा राज ॥ २१ ॥ जे म्हे होता निरधनियांको नार कठसुं ल्याता घूघरी जी म्हारा राज ॥ २२ ॥ थारो भाबी दो कोडीको नाज कोई म्हारा लाग्या डोड सै

जी म्हारा राज ॥ २३ ॥ म्हेंछां भाभी सां-
पुरसांकी नार थारी गावत ल्याया घूघरी
जी म्हारा राज ॥ २४ ॥

गीत लखपतको नं. १४

सांवणीयारे पलजी मास लखपत घु-
डला साहेब मोलिया ओलगाणा, जीओ
सावणीयार पलजीमास ॥ भादुडार दुजजी
मास ॥ लखपत घुड़ला नघी दीयोओ
ओलगाणा, जीओ भादुड़ार दुजजी मास॥
आसोजांर जगणजी मास लखपत घुड़ला न
जी दीयाओ ओलगाणा, जीओ आसोजार
जगण जी मास ॥ कातिक डारे चौथेजी
मास लखपत घुड़ला साहेब फेरीयाओ
ओलगाणा, जीओ कातिकडार चौथेजी
मास ॥ दलजन लागीछ दाल छटजण
लाग्याछ सांठीयाओ ओलगाणा, जीओ

दलजन लागीछ दाल बटजण लागीछ डोर तणजण लाग्याछ ताणीयाओ ओलगाणा, जीओ बटजण लागीछ डोर ॥ गिणजण लाग्याछदाम सिमजण लागी लखपत कोथलीओ ओलगाणा, जीओ गिणजण लाग्या छदाम ॥ हल हल होई हलकार चलचलू होई लखपत कोटड़ाओ ओलगाणा, जीओ हल हल होई हलकार ॥ दासीये तू ऊंची चढ़कर देख लखपत ए साथ किसोसजीओ ओलगाणा, जीओ दासी तूं ऊंची चढ़कर देख ॥ ओरां माथ पिचरङ्ग पाग लखपत माथ सोहन सांकालोओ ओलगाणा, जीओं ओरांमाथ पचरङ्ग पाग ॥ लंघीया लखपत बाणीये बणाय आडातो डुंगर लांघीयाओ ओलगाणा, जीओ लंघीया लखपत बणीये बणाय ॥ दासीये तू नगर ढुंढोरो फेर लखपत रहुणी यार ल्यां कोई मानश्रोओ ओलगाणा,

जीओ दासीये तू नगर ढुंढोरो फेर॥ ढुं-
ढुया बाईजी देश विदेस लखपत रहणी-
यार॥ भोल्यो डुमकोओ ओलगाणा, जीओ
ढुंढया बाईजी देश बिदेश॥ दासीये तू
डुमड़ो बेग बुलाय॥ डुमड़ार तू मेरे साथ
चाल थान तो सोढी राणी चित करयाओ
ओलगाणा, जीओ डुमड़ार मेरे साथ चाल॥
म्हेछा बाई थार बाप दादार हम थे
छो गोत सुवासणोओ ओलगाणा, जीओ
म्हेछा बाई थारे बाप दादारो डूम॥ डूम-
डार तू गोत कुवेमें डाल उमग्यो तो जो-
बन नाडटेओ ओलगाणा, जीओ डुमड़ार
तू गोत कुवेमें डाल॥ दासीये तू तातो
पाणी मेल रपट नुहावां भोलो डुमकोओ
ओलगाणा, जोओ दासीये तूं जिंदवारा
भात रांधाय घणोये भुख्यालू भोलोडुम
कोओ ओलगाणा, जीओ दासीये जिंद-
बारा भात रंधाय॥ दासीये तूं दिवलो

जोय घणोये रसीलो भोलो डुम कोओ ओलगाणा, जीओ दासीये तूं दिवलो जोय ॥ दासीये तूं फुलड़ा सेज बिछाये घणोय रसीलो भोलो डुमकोओ ओलगाणा जीओ दासीये तूं फुलडा सेज बिछाय ॥ कोठे तो मेला रबाब कोठे तो मेला सोबन सारंगीओ ओलगाणा, जीओ आला मेलो रबाब ॥ साथ्यो रथे पाछा फिरकर देख सोडीर महल दिवो जगओ ओलगाणा, जीओ साथ्योर थे पाछा फिरकर देख ॥ के सोडीरो दुखण लाग्यो पेटके कोई आयो प्यारो पावणोओ ओलगाणो, जीओके सोडीरो दुखण लाग्यो पेट ॥ आंगण चि-मक्या जीसेल थलीयां चिमक्या लखपत मोचड़ाओ ओलगाणा, जीओ आंगण चि-मक्याजी सेल ॥ डुमडार तू भाग सकतो भाग महलमें आव लखपत राजवीओ ओलगाणा, जीओ डूमड़ार तू भाग सक तो

भाग ॥ इबकीतो भाग्यो न जाय केमरबो के मारबोओ ओलगाणा, जीओ इबकी तो भाग्यो न जाय ॥ अङ्ग बिसारो छरोस काड कटारो मारयो भीतमेंओओलगाणा, जीओ अङ्ग विसारो छरोस ॥ डुमड़ार तूं मांग सकसो मांग ॥ थान तो लखपत दान देओ ओलगाणा, जीओ डुमडार तूं मांग सक सो मांग ॥ मांग्यो लख-पत हण हणियारे, दान आप चढ़णको घोड़लोओ ओलगाणा, जीओ मांग्यो लखपत हण हणियारो दान ॥ झूठा डुमड़ा झूठ न बोल तेरमनम सो मांगलेओ ओल-गाणा, जीजो झूठा डुमड़ा झूठ न बोल ॥

डुमडार तू ज्यां देशां चाल ज्यां देशां थारो म्हारो कोनहोंओ ओलगाणा, जीओ डुमडार तू ज्यां देशाचल ॥ महलारी पो-डणी हार टूटो तो टपरी सोडीनारओ ओलगाणा, जीओ म्हलारी पोडण हार ॥

जीओ जिंदवारी जीमण हार खासी तो टु-
कड़ा सोढ़ी नारनओ ओलगाणा, जीओ
जिंदवारी जीमन हार ॥ सालारी ओडन
हार फाटयासा गुदड़ा सोढी नारन ओ
ओलगणा जीओ सालारी ओडण हार ॥
ज्हेरो म्हेरो बरसण लाग्यो मेह टपकण
लागी भोलेकी झुंपड़ीओ ओलगाणा, जीओ
ज्हेरोम्हेरो बरसन लाग्यो मेह ॥ सोडीर सिर
पर खाट भोलेके सिर पर गूदड़ाओ ओल-
गाणा जीओ सोडीरा सिर पर खाट ॥ डुम
डार तू ज्यां देशा चाल ज्यां देशां
लखपत राजवीओ ओलगाणा, जीओ
डुमडार तू ज्यां देशां चाल ॥ पढ़िया लि-
खिया बिप्र बुलाय सोडीर मसतकके लि-
ख्योओ ओलगाणा, जीओ पढ़िया लि-
खिया बिप्र बुलाय ॥ सोडीर सिर लिखियो
सुरतान मसतक लिखियो भोलो डुमको
ओ ओलगाणा, जीओ सोडीर सिर पर

लिखिया सुरतान ॥ मत कोई दीजो सो-
डीन दोष लेख छटी कानाटलेओ ओल-
गाणा, जीओ मत कोई दीजो सोडीन
दोष ॥ धन लखपतरी माय सई ये सवारो
कलमें गाई जीओ ओलगाणा, जीओ धन
लखपतरी माय ॥

गीत टप्पो नं० १५

गाडीवान लला भाडो कररै। मेरी जान
लला भाडो कररे ॥ मेरो पियो परदेश ब-
सत है तू मेरे सागे चलरै ॥ पहली मजल
पर रोक रुपयो तो दूजी मजल बाजूबन्द
रै। तोजी मजल पर सिरको चुनडीया
चोथी मजल सारो घररै । गाड़ी ॥ आक
तले डेरो कररै। म्हे म्हारा राजन संग पोढ-
स्यां वैरी तू कुवै मैं पड़रै ॥ गाडो ॥ बलदनै
प्याउं दूध बतासा तन धतूराकी जडरै।
जेतु मांगे गाडीको भाड़ो तो मेरी जूती तेरो

सिररै गाडीवान लला भाड़ो कररै।

उमराव नं०१६

कुन चीज काची भली कुन पाक्यां गुन दे। कुन सुखी परदेशमें कुन घरां सुखलेजी, मारूजी येछो चातर भेद बतावो मेरी ज्यान ॥ १ ॥

महलां काची गोरडी बन काची बनराये, महल सुरङ्गा नारसे, कचिया फूल लहराय, जी प्यारीजी मेरो हंसकर मनडो मोहो मेरी ज्यान ॥ २ ॥

पाकी कली अनारकी, पाका नागर पान। पाका आम मतीरिया वीरज पाका नरमानजी, इतना काचा तोडैसे बिगड़े मेरी ज्यान ॥ ३ ॥

सायेर चातर नार हो, तिसके घर सुख जान, जिसके कुलटा नार हो सुख पर देसां मानजी प्यारीजी प्रीती पर पुरसासूं लगावे मेरी ज्यान ॥ ४ ॥

कुन बखत जाडो भलो, कुन बखत गरमाव। कुन बखत बरखा भलो चात्रग हाल बतावजी मारूजी थारी बुद्धी सजल बतावो मेरी ज्यान ॥ ५ ॥

सुख सेजां हो गोरडी, जाडो भलो लिखात। रल मिलके बतियां करे, चोसर खेले साथजी प्यारीजी गरमी पिया प्रेम रस प्यावे मेरी ज्यान ॥ ६ ॥

जोवन जोर अङ्ग हो, करे पपिया केल पीव संग पोडे कामनी करे छतियां सुंमेल, जी प्यारीजी लागे चतर चोमासो प्यारो मेरी ज्यान ॥ ७ ॥

आवो पोडो बालमा करो रंग ओर चाव, मकर रासी वाले रची कविता कर मन लाव, जी प्यारेजी धणने हीवड़ेके लिपटावो मेरी ज्यान ॥ ८ ॥ उमरावजी वो रसिया

गीत टप्पो नं० १७

पायल वाली पातली, गोरी इन गलियां मत अव, तेरी पायेल बाजणी छैला रो बुरो सुभाव। आसां जासां बापके दिनमें सौ सौ बार, छैला छाती कूटसो मेरे दिलको येई सुभाव। पायल वाली पातली जी इतना गरब न बोल, तेरो म्हल चोरी करां तेरा पकड़ा पायलका पांव। दस सोवे हाली वालडी सोवे दस डेडीवान, रंग म्हल बिच पोडस्यां म्हारो किस विद पकड़ो पांव। सोरही हाली बालडी उठ गया डेडीवान, तेरे म्हल चोरी करी तेरा पकड़ा पायेलरा पांव॥

नो रंग बिराणियां ढोलो बुज गोरडी तेरल्या लुम सलवठ क्युं, काचुली कसढीली पड़ी छतियां पर छाला क्युं। रातु दुखे पेट छैल होया म्हे लोट पलोट, हारा काछा लाप-

डा नाजोरा हाल बेहाल। पकड़ मंगाउ बेटो मालीको थारी किस बिद गूंथू हार, हारा कारण छाला पड्या गोरीरो हाल वे हाल नोरंग बीराणियां मै माली बदस्यायेको घला डंडस कना कोये ये छाला कोई छल का म्हार हारनै दोसन दोये।

गीत बिणजारेको नं. १८

कुणसी दीसासे आयीयावो बिणजारा मेरा स्याम कुणसी दीसा न जाये मारू जी ॥ १ ॥

तेरी वालदमके भरयोर बिणजारा मेरा स्याम कोई ढोला भरवाजी जाय मारू जी ॥ २ ॥

मेरी वालद मै सामरोये बिणजारी ज्यान गालामीरी भरवान जाय मारूजी ३

सामरकोके लादबो बिणजारा मेरा

स्याम ल्योवो ढोला म्याणीरो माल मारू जी ॥ ४ ॥

आज बसो न म्हार म्हलम वो बिण-जारा मेरा स्याम करस्यां ढोला थारी मनवार मारूजी ॥ ५ ॥

क्युंकर आवां थारे म्हलमये बिणजारी मेरी बालद म्हारी भूखी जोये प्यारीजी ॥६॥ म्हार पीछोकड दूबडीको विणजारा मेरा स्याम मै खोदूं तू नीर मारूजी ॥ ७ ॥

आज बसो न सुख सेजरको बिणजारा मेरा स्याम करस्यां ढोला थारी मनवार मारूजी ॥ ८ ॥

क्युंकर आवां थारी सेजमेये बिणजारी म्हारी नार बालद म्हारी प्यासीजी जाये मारूजी ॥ ९ ॥

म्हारा पीछो कड कुवा वावडीर बिण-जारा मेरा स्याम कोई मैं खींचूं तू प्याये मारूजी ॥ १० ॥

आज बसो न म्हारे म्हलम वो बिण-
जारा मेरा स्याम करस्यां ढोला थारी मन-
वार मारूजी ॥ ११ ॥
क्युंकर आवांखां म्हलमेय बिणजारी म्हारी
ज्यान बालद म्हारी रीतीजी जाये मारू
जी ॥ १२ ॥
आदीमें भरादूं खारक खोपरारे बिण-
जारा म्हारा स्याम आधीमें नरादूं सठवा
सूंठ मारू जी ॥ १३ ॥
आज बसोन म्हारी सेजमेर बिणजारा
मेरा स्याम करस्यां ढोला थारी मनुवार
मारूजी ॥ १४ ॥
क्युंकर आवां थारी सेजमये बिणजारी
म्हारी ज्यान साथी म्हारा भूखाजी जाये
मारूजी ॥ १५ ॥
साथीडा न लीचपोच लायसीर बिण-
जारा म्हारा स्याम थाने ढोला घुलवांजी
खीर मारूजी ॥ १६ ॥

थार तो सरीसो कुलमको नहीये विण-जारी म्हारी नार राखां म्हार हीवडर बीच मारूजी ॥ १७ ॥

थार सरीसा कुलम कोन्हो वो विण-जारा म्हारा स्याम राखां ढोला सेजां बीच मारूजी ॥ १८ ॥

गीत बुंगलेका नं. १९

बुंगलो मारूजी गैर घुमेर बुंगलेमें सुन्या दो जणा ॥ सुन्या मारूजी निस भर नोंद हलकार हेलो मारोयो ॥ हीज्योरे हलकारा थारधी सुन्योड़ो भंवर जगाईयो ॥ क्यान गौरी घणा होसी म्हारधी दमड़ारो लोभी बालमो ॥ जपरीयमें चली अनोखी चाल कागदका डुपटा म्हे स्युंणा ॥ दिल्ली सह-रमें चली अनोखी चाल चुंपक घुघर म्हें स्युणजी म्हारो मन नहीं लाग साहेबा ॥ भिवानी सहरमें चली अनोखी रीत चर-

खाक येई म्हें सुणी ॥ फतेपुरमें चली भ-
लेरी रीत लुगायां पढ़ती म्हें सुणीजी लु-
गायां पढ़ती म्हें सुणी ॥

गीत कुंजांको नं. २०

सूती थी सुख नींदमेंजी सुपनो भयो ये
जंजाल भंवर सुपने बतलाईजी ॥ १ ॥ तैंने
सुपना मार सुंरके तेरी कतल कराये सुपना
बैरी झूठो क्युं आयोर ॥ २ ॥ क्यांने गोरी
म्हाने मारस्यो ऐ क्युं म्हारी कतल कराय
गोरीथारे पीवने मिलाद्यांए ॥ ३ ॥ आज
संवारी उठीयाजी गयी २ मायड़के पास
सुन मायड थाने बात कहूं ए कहतां आवे
लाज ब्याई छूंक कंवारिया ए जंको अर्थ
बताय मायड म्हाने सांच बतादे ए ॥ ४ ॥
ब्याय चढया था पील पोतडा ए हो
गई जोद जुवान नल राजाको डीकरो ए
परण दिसावर जाय बाई थाने सांच

सुनावां ए ॥ ५ ॥ आज सवांरी उठीयाजी गई गई कुंजाके पास तू छे घर्मकी भायली ए एक सन्देस पुंचाय पत्री लिख दूं प्रेमकी ए दीज्यो पीयाजीने जाये कुंजा म्हारे पीवने मिलादे ए ॥ ६ ॥ माणंस होय तो मुख कहैजी मोसे बोल्योन जाये भायली म्हारी पांखा पर लिख दो ए ॥ ७ ॥

बं लसकरियेने जाय कही ए क्युं परण बो आय परण पिराछत क्युं लियोए रयो क्युंनी अखन कुवार कुंमारीने वरतो घणा छाजी ॥ ८ ॥ काजल टीकोको थारी घण खण लियोजी विन्दली सर्व सुहाग। गोट मिसरूको थारी घण खन लियोजी चुनड को सर्व सुहाग। दूध दहीको थारी घण खण लियोजी अन्न विन रयो ए न जाय कुंजा म्हारो भंवर मिलादे ए ॥ ९ ॥ आज संवारी उडियाजी गई गई कोस पचास

डेरा तो हरीए बागांमें दीन्याजी ॥ १० ॥ ढोलो मारूणी पासा डालियाजी कुंजा रही कुरलाय हाथरो पासा हाथ रयाजी बाजा रही पासा मायं। कुण जिनावर बोलियाजी जंको करो तो विचार साथ्यो म्हाने भेद बताद्योर ॥ ११ ॥

हाथांरा पासा डाल द्योजी बाजीरालो ना दोय च्यार घणाई जिनावर बोले देस काजी क्यांका करांजी विचार भंवर थेतो बाजी खेलोजी ॥१२॥ बोगयो ढोलो वो गयोजी गयो गयो बांगाके माय ढूंढै चम्पा बागमेंजी बैठोधण अमल्यांरी डाल कुंजा कुरलावन लागीजी ॥ १३ ॥ कुणारा भेजया ओटी आईयाजी कुणयारा कागद हाथ कुंजा म्हाने सांच बतादो ए ॥ १४ ॥ थारी घणका भेजया ओटी आईयाजी थारी घणका कागद हाथ भंवर म्हारी

पांखा पर बांचोजी ॥ १५ ॥ आज आपूठा सोय रयाजी रयोके अंदेसो छाय, के चित आयो थारो देसडोजीके चित्त आया माई बाप भंवर दिलगीरी क्युं ल्यायाजी ॥१६॥ ना चित्त आयो देसडोजी ना चित्त आया माई बाप एक चित्त आई म्हारी गोरडोजी वा घण घणी ए उदास भायली म्हाने गोरी चित्त आई जी ॥ १७ ॥ वो गयो ढोलो वो गयोजी गयो गयो करवांके पास म्हारी गोरीने मिलादोजी ॥ १८ ॥ कैगल घालुं घूघरार कै गल घालूं रेशम डोर तूं करवा म्हारे बाप कोर लंगडो होकर बैठ छिटक पड़ेगी तेरी पांसलीर लटक पड़ेगो तेरो पेट करवार बैरी साग मत जाईर॥ १९॥ पाणी तो पोवां ठंडे होदको ए चरस्यां म्हें नागर बेल जास्यां म्हें ढोलाजीके सासरे ए मनमें घणी ए उमेद गोरी ए म्हेतो सग जास्यां ए ॥ २० ॥

मालीडाकी डिकरी तू छें धर्मकी भैण तेरे कनेकर ढोलो निसरयो ए किस ए उ-माव जाय बाई म्हाने भेद बता देए ॥२१॥ मेरे कनकर ढोलो निसरो ए जाणूं ल्होडी परणाय जाय बाई थाने साच सुणावांए ॥२२॥ बेरांकी बड़ बेरडी ए तूं छे धर्मकी भैण तेरे कने कर ढोलो निसस्यो ए रख्यो क्युंनी विलमाय भायली म्हानें पियो चित्त आव ए ॥२३॥ सोढयाथा चायख्या नहीं ए लिन्या गोजमें घाल बाई थाने सांच सुनावां ए॥२३॥ ढोलो पुंचायर ओटी बावडीजी जंको आवे रोज, चुल्हे घाल गरेलियोजी धुवके मिस रोय भंवर म्हानें छोड सिधारयाजी ॥२५॥ करवा चाल उतावलोर दिन थोडो घर दूर दो गोरयांको साहेबोर रयो मैं अकेलो आज करवा म्हारी गोरीसे मिलादेर ॥२६॥ दातण करो कुवा बावडीजी मल मल करो

अस्नान चन्द छियां सूरज ऊग्याजी दयां थारी माऊणी मिलाय भंवर थाने बेग पुंचा दयांजी ॥ २७ ॥

गीत सीठना नं. २१

बूढेने परनाये सुता मजधार डबोईरे, इज्जत लालच बस खोई। अव्वल घरमें कन्या जाई, तात भ्रात सब खुशी मनाई जाई कन्या घर नार स्यात अब चोखी आईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ १ ॥ ब्यावण साव बाई आइ अब तो करनी मोय सगाई भेजा दो ये दलाल विप्र एक दूजो नाईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ २ ॥ तिरिया तरुन जवानी छाई, बूडे वरसे झट परनाई, ली थेली घरमें मेल दया न उनकू आईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥३॥

सीस पकड़ तिरिया पिसताई या रेखा विधनाके बाई देख पियाकी स्यान नार दिलमें सकुचाईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥४॥ ले बनड़ी बनड़ोजी आवे पोतकी भऊ सब मङ्गल गावे धन दीहाड़ो आज नई दादस घर आईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ ५ ॥ सांज पड़ी जद पिलङ्ग बिछाया पोडणने बालमजी आया सजके सब सिंणगार उदासी चितपर छाई रे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ ६ ॥ तात भ्रात और बामण नाई रत्ती दया ना उनकूं आई, दई बैल ज्यु बेंच अनरथी बड़ा कसाईरे, इज्जत लालच बस खोईरे हां इज्जत लालच बस खोई ॥ ७ ॥ काम बली तिरिया तन जागे जद दुःख रोवे किसके आगे पीवकी हाले नाड नार जोबनमें छाईरे,

इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ ८ ॥ कुण बात बूझे उस धणकी तपत मिटावे कुण बदनकी भई कामबस बाम सरब कुल कान डबोईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ ९ ॥ अरज करे बूडेकी नारी सुंनो सभी अरदास हमारी लालचके बस होये सुता मत बेचो कोईरे, इज्जत लालच बस खोई हां इज्जत लालच बस खोई ॥ १० ॥

सोहाग नं० २२

बाई को बाबो जी चाल्या रथ जोड बाई तो रथ थाम लियो। बाई मांगण होसो मांगक यो रथ कयां अटक्यो ॥ बाबोजी मांगू कोसल्या सास सुसरो तो राजा दशरथ जी। मैंतो बर मांगू भगवान देवर छोटो लिछमण जी। बाई को ताऊ जी

चाल्या रथ जोड बाई तो रथ थाम लियो। बाईको काको जी चाल्या रथ जोड बाई तो रथ थाम लियो। बाई को चाचो जी चाल्या रथ जोड बाई तो रथ थाम लियो बाई को भाई जी चाल्या रथ जोड बाई तो रथ थाम लियो। बाई मांगण हो सो मांग क यो रथ कयां अट क्यो। भाई जी मांगू कोसल्या सास सुसरो तो राजा दशरथ जी। मैं तो बर मांगू भगवान देवर छोटो लिछमण जी।

इसका पांचवां भाग भी छप रहा है।

Printed by D. P. Gupta
at the B. L. PRESS, 1/2. Machua Bazar Street, Calcutta.